नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, शुक्रवार
28 फरवरी 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 10, अंक : 342 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

राजस्थान के ब्यावर में स्कूली लड़कियों के यौन शोषण के आरोपों के बाद तनाव

ब्यावर । राजस्थान का ब्यावर जिला तनाव में है। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग एक लाख निवासियों वाला एक छोटा सा शहर मसूदा स्कूली लड़कियों के लक्षित यौन शोषण और धर्मांतरण रैकेट के आरोपों से स्तब्ध है। राजस्थान का ब्यावर जिला तनाव में है। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग एक लाख निवासियों वाला एक छोटा सा शहर मसूदा स्कूली लड़कियों के लक्षित यौन शोषण और धर्मांतरण रैकेट के आरोपों से स्तब्ध है। मसूदा और आस-पास के इलाकों में बाजार बंद हैं, रैलियां निकाली जा रही हैं और एक पूर्व पार्षद सहित कई लोगों को पुलिस हिरासत में लिया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, पांच पीड़ितों के परिवार के सदस्यों की शिकायतों के बाद तीन नाबालिगों सहित 11 व्यक्तियों के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

शेष पेज 2 पर

सफाईकर्मियों के लिए योगी का बड़ा एलान

10 हजार का बोनस... 16000 माह न्यूनतम वेतन और मुफ्त इलाज की घोषणा

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छता कर्मियों के लिए बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि पहले आठ से 11 हजार रुपये माह मिलते थे। अब इसे अप्रैल से बढ़ाकर कम से कम 16 हजार किया जाएगा।

महाकुंभ के समापन के बाद प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी घोषणा की है। महाकुंभ में लगे यूपी के सफाई कर्मचारियों को 10 हजार का अतिरिक्त बोनस मिलेगा। इसके अलावा न्यूनतम 16000 प्रति माह वेतन की घोषणा की है।

इसके अलावा महाकुंभ में कार्यरत सभी कर्मियों को पांच लाख तक मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा। अप्रैल

निगम गठित होगा। अप्रैल से कर्मचारियों के खाते में रुपये भी भेजे जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वच्छता कर्मियों को पहले आठ से 11 हजार रुपये माह मिलते थे। अब इसे अप्रैल से बढ़ाकर कम से कम 16 हजार किया जाएगा। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को आयुष्मान योजना से जोड़कर जन आरोग्य बीमा का भी लाभ दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "हमारी सरकार ने प्रयागराज में महाकुंभ में सफाई और स्वास्थ्य कर्मचारियों को 10,000 रुपये का बोनस देने का फैसला किया है। हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि अप्रैल से सफाई कर्मचारियों को 16,000 रुपये का न्यूनतम वेतन प्रदान किया जाएगा... अस्थायी स्वास्थ्य कर्मचारियों को सीधे बैंक हस्तांतरण दिया जाएगा और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा, जिससे बेहतर कल्याण और सहायता सुनिश्चित होगी।"2र

उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ 2025 के दौरान सबसे बड़े समन्वयित सफाई अभियान का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने आज पुरस्कार प्राप्त किया।

शेष पेज 2 पर

हरियाणा में कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई

पूर्व MLA रामबीर सिंह समेत 5 नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

रोहतक। जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी, पूजा रानी और रूपेश मलिक हैं। इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था।

हरियाणा में कांग्रेस इकाई ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पांच नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान द्वारा जारी पार्टी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम चुनाव (2025) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल के दिनों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले पार्टी नेताओं/कार्यकताओं से

संबंधित संचार के विभिन्न माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त होने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी, पूजा रानी और रूपेश मलिक हैं। इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था। 19 फरवरी को, हरियाणा कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले नागरिक चुनावों से पहले 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों के लिए अपने सात नेताओं को निष्कासित कर दिया।

निष्कासित लोगों में करनाल के पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष तरलोचन सिंह और अशोक खुराना, यमुनानगर के पार्टी नेता प्रदीप चौधरी और मधु चौधरी, हिसार के वरिष्ठ नेता राम निवास रारा,

शेष पेज 2 पर

दिल्ली में नया सियासी घमासानः विधानसभा में आप आप को न घुसने देने पर भड़कीं आतिशी, राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

दिल्ली । आतिशी ने राष्ट्रपति से तत्काल मिलने का समय मांगा है। आतिशी ने विधानसभा में आम आदमी पार्टी (आप) विधायकों को न घुसने देने पर राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए समय मांगा है।

दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी है। आतिशी ने राष्ट्रपति से तत्काल मिलने का समय मांगा है। आतिशी ने विधानसभा में आम आदमी पार्टी (आप) विधायकों को न घुसने देने पर राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए समय मांगा है। आतिशी विधायक दल के साथ राष्ट्रपति से मिलने जाएंगी। उधर, सदन में विपक्ष के सदस्यों के निलंबन को लेकर आतिशी ने आप विधायकों के साथ विरोध जताया।

नेता विपक्ष आतिशी ने कहा, 'विधानसभा परिसर के बाहर रोकना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

शेष पेज 2 पर

आज ही धमाका तो नहीं कर देंगे जीतन राम मांझी

नीतीश कुमार सरकार में बेटे का पद घटाया तो किसने?

पटना। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी दिल्ली चुनाव में सीटों की मांग करते-करते अब अपने बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में ज्यादा भागीदारी पर ध्यान दे रहे हैं। वह आज पटना में दलित समागम कर रहे। ऐसे में बेटे संतोष सुमन के विभागों में कटौती!

नए साल में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों का बंटवारा हुआ तो हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा- सेक्युलर के इकलौते मंत्री संतोष कुमार सुमन के तीन में से दो अहम विभाग लेकर दूसरे मंत्रियों को दे दिए गए। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में मांझी परिवार अपनी पार्टी की ओर से 28 फरवरी को 'दलित समागम' के रूप में शक्ति प्रदर्शन करने वाला

है। तो, क्या इस समागम के मंच से मांझी का गुस्सा फूटेगा? वह बेटे के विभागों में कटौती पर क्या कहेंगे और किसे दोषी बताएंगे, इसपर सभी की नजर रहेगी। सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ-साथ विपक्षी महागठबंधन की भी।

जदयू के मंत्रियों के विभाग अछूते; सवाल-संतोष की कटौती क्यों?

बिहार की नीतीश कुमार सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार हुआ तो बात यह भी आई कि भारतीय जनता पार्टी ने घटक दलों की एक नहीं सुनी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड को भी महत्व नहीं दिया। यह बातें अंदर की भी थी या सिर्फ अफवाह- कोई पक्का नहीं कर सकता। लेकिन, आज जब मंत्रिमंडल के नए मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा हुआ तो केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा- सेक्युलर के साथ 'खेला' हो गया- यह साफ लगता है। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के किसी मंत्री के विभाग नहीं घटे। भाजपा के ही सातों मंत्री बने तो उसके पुराने मंत्रियों के विभागों से कटौती स्वाभाविक थी। लेकिन, जीतन राम मांझी की पार्टी के इकलौते मंत्री के तीन में से दो विभागों की कटौती क्यों? क्या राजग के अंदर किसी को मांझी के रूठने का कोई डर नहीं?

28 जनवरी 2024 को जब जनादेश 2020 की वापसी कराते हुए राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बनी तो मांझी ने कथित तौर पर दबाव बनाकर बेटे संतोष कुमार सुमन के लिए अहम विभाग लिए थे। तब वह खुद केंद्रीय मंत्री नहीं थे। विधायक ही थे।

शेष पेज 2 पर

पाकिस्तानी संसद में उठेगा मेजबानों की हार का मुद्दा, पीएम शहबाज शरीफ करेंगे टीम से चर्चा

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन पर व्यक्तिगत रूप से बात करेंगे। वह क्रिकेट से जुड़े मुद्दों को कैबिनेट और संसद में उठाएंगे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जल्द ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और टीम के खिलाड़ियों से चैंपियंस ट्रॉफी में मेजबानों के खराब प्रदर्शन पर चर्चा करेंगे। इसकी जानकारी राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की सरकार टीम के जल्दी बाहर होने से खफा है।

29 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रही पाकिस्तान की टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में करारी हार का सामना करना पड़ा। मोहम्मद रिजवान के नेतृत्व वाली टीम ने पहला मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इस दौरान उन्हें 60 रन से शिकस्त मिली थी। इसके बाद रविवार को पाकिस्तान का सामना भारतीय टीम से हुआ। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली टीम ने विराट कोहली की शतकीय पारी की बदौलत चिर प्रतिद्वंद्वी को छह विकेट से हरा दिया। इस तरह पाकिस्तान का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया। गुरुवार को गत चैंपियन की टक्कर बांग्लादेश से होनी थी। लेकिन यह मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना बारिश के कारण रद्द हो गया। इस तरह दोनों टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

शेष पेज 2 पर

महाराष्ट्र में क्या हो रहा? शिंदे नाराज

उद्धव कर रहे फडणवीस की तारीफ, वेट एंड वाच की भूमिका में अजित पवार

महाराष्ट्र। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा की जाने वाली बैठकों से बचते रहे हैं और इसी तरह की बैठकें आयोजित करने की एक समानांतर प्रक्रिया चला रहे हैं। हालांकि, शिवसेना दावा कर रही है कि गठबंधन के भीतर सबकुछ ठीक है। बावजूद इसके उनकी नाराजगी की खबरें आ ही जा रही है।

महाराष्ट्र का राजनीति लगातार सुर्खियों में है। वहां, किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर दरार की खबरें आई हैं। उपमुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा की जाने वाली बैठकों से बचते रहे हैं और इसी तरह की बैठकें आयोजित करने की एक समानांतर प्रक्रिया चला रहे हैं। हालांकि, शिवसेना दावा कर रही है कि गठबंधन के भीतर सबकुछ ठीक है। बावजूद इसके उनकी नाराजगी की खबरें आ ही जा रही है।

शिंदे नाराज- पिछले नवंबर में नतीजों के बाद भाजपा ने फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला लिया था, जिसके बाद शिवसेना प्रमुख शिंदे को उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा था।

शेष पेज 2 पर

'फाइव आइज': क्या है 'फाइव आइज': जिससे कनाडा को बाहर करने की तैयारी में क्यों ट्रंप प्रशासन

भारत के किस मामले में आया नाम?

नई दिल्ली। फाइव आइज अलायंस क्या है? इसकी शुरूआत कैसे हुई? अमेरिका में कनाडा को इस गठबंधन से निकालने की चर्चा क्यों शुरू हुई और यह कहां तक पहुंची है? फाइल आइज अलायंस काम कैसे करता है और कनाडा की खुफिया क्षमताओं में इसकी क्या भूमिका है? कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में इस गठबंधन से कनाडा को किस तरह की मदद मिली थी? आइये जानते हैं...

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने के बाद से ही कुछ देशों में हलचल मची है। इनमें सबसे अहम नाम अमेरिका के मित्र और सहयोगी देशों के हैं। हालांकि, जिस एक देश को ट्रंप ने सबसे ज्यादा निशाना बनाया है, वह अमेरिका के

उत्तर में उसका सबसे करीबी पड़ोसी देश- कनाडा। चाहे आयात शुल्क लगाने से जुड़ी धमकियां हों या कनाडा से लगी सीमाओं पर अतिरिक्त सख्ती बरतने की चेतावनी या फिर कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने से जुड़ा तंज। ट्रंप हर एक मौके पर कनाडा पर हावी होने की कोशिश में रहे हैं।

हालांकि, जिस ताजा मामले पर अमेरिका की तरफ से कनाडा के लिए सख्त रुख अख्तियार करने का इशारा किया गया है, वह उसकी सुरक्षा को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। मामला है कनाडा को एक ऐसे फाइव आइज अलायंस से बाहर करने की चर्चा का। अगर कनाडा आगामी समय में इस गठबंधन से बाहर होता है, तो इसके कई दूरगामी असर हो सकते हैं। खासकर कनाडा की खुफिया और निगरानी क्षमताओं पर नकारात्मक असर पड़ना तय है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर यह फाइव आइज अलायंस क्या है? इसकी शुरूआत कैसे हुई? अमेरिका में कनाडा को इस गठबंधन से निकालने की चर्चा क्यों शुरू हुई और यह कहां तक पहुंची है? फाइल आइज अलायंस काम कैसे करता है और कनाडा की खुफिया क्षमताओं में इसकी क्या भूमिका है? कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में इस गठबंधन से कनाडा को किस तरह की मदद मिली थी? आइये जानते हैं...कैसे-क्यों अस्तित्व में आया फाइव आइज अलायंस?

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और उसका साथ देने वाले देशों से निपटने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन ने एक खुफिया नेटवर्क स्थापित किया। अटलांटिक महासागर से बंटे इन दोनों देशों ने अलग-अलग तकनीकों से हजारों किलोमीटर दूर खुफिया जानकारी साझा करना शुरू किया था। शेष पेज 2 पर

सीएम रेखा की सचिव बनीं IAS मधु रानी तेवतिया वक्फ बोर्ड के सीईओ नियुक्त हुए अजीमुल हक

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के लिए सचिव, विशेष सचिव की नियुक्ति कर दी गई है। गुरुवार को आईएएस मधु रानी तेवतिया को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सचिव नियुक्त किया गया है। दिल्ली में सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सचिव आईएएस मधु रानी तेवतिया को नियुक्त किया गया है। वहीं आईएएस संदीप कुमार व आईएएस रवि झा को मुख्यमंत्री का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है।

तबादलों का खास फोकस मुख्यमंत्री कार्यालय पर रहा, जहां कई अधिकारियों की नई नियुक्तियां की गई हैं। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के आदेश पर जारी तबादला सूची में वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

नई नियुक्तियों के तहत अजीमुल हक (2007 बैच के आईएएस अधकारी) को दिल्ली वक्फ बोर्ड का नया सीईओ बनाया गया है। वहीं, संदीप सिंह कुमार (2011 बैच के आईएएस अधिकारी) और रवि झा (2011 बच के आईएएस अधिकारी) को मुख्यमंत्री के विशेष सचिव के रूप में तैनात किया गया है। इसके अलावा, सचिन राणा (2014 बैच के आईएएस अधिकारी) को अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ-साथ दिल्ली जल बोर्ड के सदस्य (प्रशासन) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

सरकार के इस फैसले को मुख्यमंत्री कार्यालय को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इन तबादलों से प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने और नई सरकार की प्राथमिकताओं को लागू करने में मदद मिलेगी।

विधानसभा में पेश होगी एक और कैग रिपोर्ट

विधानसभा में शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कैग रिपोर्ट पेश की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस रिपोर्ट को पेश करेंगी। इससे पहले शराब नीति पर रिपोर्ट पेश की गई थी, जिसे लेकर सियासी हंगामा हुआ था।

सूत्रों का कहना कि रिपोर्ट में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सरकारी अस्पतालों के कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इसके मद्देनजर भाजपा ने 13 अन्य रिपोर्टों के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा से संबंधित कैग रिपोर्ट को विधानसभा में पेश करने का दबाव बनाया था, लेकिन आप सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया था। रिपोर्ट में अस्पतालों में बेड व डॉक्टरों की कमी, चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और मरीजों के इलाज में हो रही देरी जैसे मुद्दों को प्रमुख रूप से उठाया गया है।

दिल्ली में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड 74 साल में सबसे अधिक गर्म रही 27 फरवरी की सुबह, देखें ऑलटाइम का रिकॉर्ड

वर्ष-तिथि	तापमान
25 फरवरी 2015	19 डिग्री सेल्सियस
24 फरवरी 1973	18.6 डिग्री सेल्सियस
20 फरवरी 2015	18.5 डिग्री सेल्सियस
29 फरवरी 1992	18.2 डिग्री सेल्सियस
15 फरवरी 1998	18.0 डिग्री सेल्सियस
27 फरवरी 1970	17.6 डिग्री सेल्सियस
17 फरवरी 1993	17.5 डिग्री सेल्सियस
26 फरवरी 2006	17.4 डिग्री सेल्सियस
28 फरवरी 1969	17.3 डिग्री सेल्सियस
20 फरवरी 2006	17.1 डिग्री सेल्सियस

आज का तापमान
अधिकतम तापमान: 25.0 डिग्री सेल्सियस
न्यूनतम तापमान: 19.5 डिग्री सेल्सियस
28 फरवरी को सूर्यास्त: शाम 6:21 मिनट
1 मार्च को सूर्योदय: सुबह 6:46 मिनट

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । पश्चिमी विक्षोभ के असर से गुरुवार सुबह हल्की बारिश हुई। वहीं 20-30 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलने से ठंड का अहसास हुआ।

गुरुवार सुबह गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। 74 साल में फरवरी महीने का न्यूनतम तापमान सबसे ज्यादा दर्ज किया गया। 1951-2025 तक की समयावधि पर गौर करें तो आज का न्यूनतम तापमान सबसे अधिक 19.5 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से सात डिग्री अधिक है। यह अब तक का सर्वाधिक तापमान है। जबकि फरवरी समाप्त होने में अभी एक दिन बाकी है। वहीं, बारिश होने से अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं मौसम विभाग ने बताया कि 1951 से पहले का डेटा उपलब्ध नहीं है।

गुरुवार को फरवरी की सुबह सबसे अधिक गर्म रही। इस दौरान न्यूनतम तापमान सबसे अधिक रहा। फरवरी में अमूमन अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। लेकिन बीते कई दिनों से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बुधवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री को पार करते हुए 32.4 और न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

वहीं, पश्चिमी विक्षोभ के असर से गुरुवार सुबह हल्की बारिश हुई। वहीं 20-30 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलने से ठंड का अहसास हुआ। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना जताई है। सुबह के समय हल्का कुहासा और आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने के कारण अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री रहने का अनुमान है। मार्च के पहले सप्ताह से तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू होगी।

न्यूनतम तापमान का ऑल टाइम रिकॉर्ड, कब-कब कितना रहा

पश्चिमी विक्षोभ और बादलों ने बढ़ाया तापमान

मौसम विज्ञानियों के समूह वेग्रीस ऑफ द वेदर के विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हवाओं का रुख उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व हो गया। वहीं, आसमान में बादल भी छाए थे। यह तापमान बढ़ने की तात्कालिक वजह बनी। इसके साथ इस साल पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता कम रही है। जो आए भी, वह बेहद कमजोर रहे। जनवरी में शीत लहर भी नहीं चली। फरवरी महीने में मामूली बारिश रिकॉर्ड की गई। अभी तक फरवरी में 1.4 मिमी बारिश हुई जो 93 फीसदी कम है। सामान्य रूप से 19.2 मिमी बारिश होती है। इस सबका मिला-जुला असर तापमान में बढ़ोत्तरी के तौर पर देखा जा रहा है।

पेज एक का शेष...

10 हजार का बोनस... 16000 माह न्यूनतम वेतन और मुफ्त इलाज की घोषणा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, उत्तर प्रदेश के उ्रूद्ध प्रशांत कुमार समेत प्रदेश कैबिनेट के मंत्रियों और अधिकारियों ने सफाई कर्मचारियों के साथ भोजन किया।

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के समापन के बाद प्रयागराज में नाव चालकों से बातचीत करते हुए सीएम ने कहा, "पंजीकरण के बाद हर नाव चालक को 5 लाख रुपये की बीमा योजना दी जाएगी। नाव खरीदने के लिए धनराशि दी जाएगी। जिन लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है, उन्हें आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर किया जाएगा।

पूर्व MLA रामबीर सिंह समेत 5 नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

गुरुग्राम के पार्टी नेता हरविंदर और पीसीसी प्रतिनिधि, गुरुग्राम, राम किशन सैन शामिल हैं। रारा और सिंह हाल ही में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए थे। रारा ने पिछला विधानसभा चुनाव असफल रूप से लड़ा था जबकि सिंह 2019 के विधानसभा चुनाव में करनाल विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से हार गए थे। मई 2024 में इस सीट पर हुए विधानसभा उपचुनाव में वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से हार गए।

दिल्ली में नया सियासी घमासान: विधानसभा में आप आप को न घुसने देने पर भड़कीं आतिशी, राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

बाबासाहेब आंबेडकर और अमर शहीद भगत सिंह की तस्वीर दिल्ली सरकार के दफ्तरों से हटाना शहीदों और दलित पिछड़ों का अपमान है।

विपक्ष के विधायकों के निलंबन के बाद आप ने किया धरना प्रदर्शन

सदन में विपक्ष के विधायकों के निलंबन पर दिल्ली विधानसभा परिसर के बाहर आम आदमी पार्टी के विधायकों ने धरना प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि उन्हें और उनकी पार्टी के विधायकों को विधानसभा परिसर के अंदर घुसने नहीं दिया जा रहा है।

आतिशी ने कहा- यह गैर लोकतांत्रिक

पूर्व मुख्यमंत्री और दिल्ली की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा, पुलिस अधिकारी कह रहे हैं कि हम (आप विधायक) विधानसभा से निलंबित हैं इसलिए हमें विधानसभा परिसर में भी प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। यह गैर लोकतांत्रिक और गैर संवैधानिक है। आज तक देश के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है। किसी भी विधानसभा में चुने हुए विधायक को कभी नहीं रोका जाता। संसद में भी गांधी प्रतिमा के नीचे निलंबित होने पर भी विरोध होते हैं। आखिरकार हमें कैसे रोका जा सकता है? हमने अध्यक्ष से बात करने की कोशिश की लेकिन कोई बात नहीं हो रही है।"

पाकिस्तानी संसद में उठेगा मेजबानों की हार का मुद्दा, पीएम शहबाज शरीफ करेंगे टीम से चर्चा

वहीं, न्यूजीलैंड और भारत की टीमें पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं।

संसद में उठाया जाएगा पाकिस्तान की हार का मुद्दा

पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन पर व्यक्तिगत रूप से बात करेंगे। वह क्रिकेट से जुड़े मुद्दों को कैबिनेट और संसद में उठाएंगे।

पाकिस्तान ने बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

पाकिस्तान ने इसके साथ ही कुछ अनचाहे रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। 2009 के बाद यह पहली बार है जब चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबान टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई है। आखिरी बार ऐसा दक्षिण अफ्रीका के साथ हुआ था जब टीम ने तीन में से दो मैच हारे और एक में उसे जीत मिली थी। दक्षिण अफ्रीका की टीम उस वक्त ग्रुप में सबसे नीचे रही थी।

इतना ही नहीं पाकिस्तान ऐसी चौथी टीम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में खिताब का बचाव करने उतरी, लेकिन ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई। पहली बार ऐसा 2004 में हुआ जब भारत और श्रीलंका ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। भारत और श्रीलंका 2002 में इस टूनार्मेंट के संयुक्त विजेता बने थे। आखिरी बार 2013 में ऐसा हुआ था जब गत चैंपियन टीम ग्रुप चरण में बाहर हो गई थी। उस वक्त ऑस्ट्रेलिया कोई मैच नहीं जीत सकी थी।

उद्धव कर रहे फडणवीस की तारीफ, वेट एंड वाच की भूमिका में अजित पवार

शिंदे के समर्थकों का मानना है कि मुख्यमंत्री के तौर पर उनके ढाई साल के कार्यकाल (जून 2022 से नवंबर 2024) के दौरान लिए गए फैसलों, विकास और कल्याणकारी योजनाओं के कारण ही भाजपा, शिवसेना और राकांपा के गठबंधन को विधानसभा चुनाव में जीत मिली। शिवसेना नेताओं के अनुसार शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करने के इच्छुक नहीं थे, लेकिन उनकी पार्टी के सहयोगियों और भाजपा के शीर्ष नेताओं ने उन्हें फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा बनने के लिए मना लिया था। रायगढ़ और नासिक जिलों के संरक्षक मंत्रियों को लेकर फैसले से दरार बढ़ती देखी।

उद्धव कर रहे तारीफ-विपक्षी शिवसेना (उबाठा) ने कुछ मंत्रियों द्वारा सुझाए गए निजी सहायकों के नामों को खारिज करने के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हालिया फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए कड़े कदम उठा रहे हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना में एक संपादकीय में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा। शिंदे प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के प्रमुख हैं और उनके फडणवीस के साथ संबंध तनावपूर्ण बताए जा रहे हैं। जनवरी की शुरूआत में, सामना ने अप्रत्याशित रूप से फडणवीस की प्रशंसा की थी जब उन्होंने नक्सल प्रभावित गडचिरौली जिले का दौरा किया था और घोषणा की थी कि वहां इस्पात उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा। सामना के बुधवार के अंक में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया है, देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के शासन में अनुशासन को लेकर कड़े कदम उठाए हैं और उन्होंने (भ्रष्टाचार के) नालों की सफाई शुरू कर दी है। हाल के हफ्तों में यह दूसरी बार है जब शिवसेना (उबाठा) ने फडणवीस की प्रशंसा की है।

अजित पवार वेट एंड वाच की भूमिका में-अजित पवार पूरे मामले को लेकर खामोश हैं। हालांकि, वह अपना तालमेल भाजपा से पूरी तरह मिलाकर चल रहे हैं। शिंदे की "हल्की" टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, डिप्टी सीएम अजीत पवार ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि टिप्पणी किसको लक्षित थी। जैसे-जैसे शिंदे बनाम फडणवीस की कहानी सामने आ रही है, अजित पवार अपना काम करने में व्यस्त हो गए हैं और घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं। अब तक, पवार ऐसा कोई भी बयान या इशारा करने से बचते रहे हैं जिससे स्थिति बिगड़ सकती हो।

आज ही धमाका तो नहीं कर देंगे जीतन राम मांझी

संतोष सुमन ने हालांकि तब भी कहा था कि मंत्रियों के विभाग का आवंटन किसी दबाव में नहीं किया गया है, यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार होता है। अब मंत्रिमंडल विस्तार के बाद जब उनके दो विभागों की कटौती हुई है तो वह इसपर आज चुप्पी साधे हुए हैं। 'अमर उजाला' ने उनसे कई बार इस बारे में बात करने की कोशिश की, लेकिन बताया जा रहा है कि वह दलित समागम की तैयारी में व्यस्त हैं।

कल, यानी शुक्रवार को पटना के हृदय स्थली गांधी मैदान में यह कार्यक्रम है। इसमें केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी रहेंगे। मांझी बिहार विधानसभा चुनाव में 40 सीटों के लिए राजग पर दबाव बनाते रहे हैं, हालांकि वह अपनी ओर से 20 को लेकर अडिग हैं। दलित समागम भी उसी दबाव का एक हिस्सा है। वह मुखर होकर यह तक कह चुके हैं कि अगर इज्जत नहीं मिलती है तो कुर्सी छोड़ने में भी समय नहीं लगाएंगे। ऐसे में शक्ति प्रदर्शन के एक दिन पहले बेटे के तीन में से दो विभागों के छीने जाने पर उनका गुस्सा दिखा तो वह चौंकाने वाली बात नहीं होगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि 28 जनवरी को जब बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की सरकार बनी थी तो मांझी ने चार विधायक और एक एमएलसी होने के नाम पर दो मंत्रीपद मांगे थे।

राजस्थान के ब्यावर में स्कूली लड़कियों के यौन शोषण के आरोपों के बाद तनाव

पीटीआई के अनुसार, लड़कियों के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से लड़कियों से संपर्क किया, उन्हें चीनी मोबाइल फोन उपहार में दिए और उनका यौन शोषण किया। इसने पुलिस अधिकारियों के हवाले से कहा कि कुछ पीड़ितों ने पुरुषों पर उन्हें ब्लैकमेल करके धर्मांतरण करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया। हिरासत में लिए गए 11 लोगों में से तीन नाबालिग हैं।

मसूदा के डीएसपी सज्जन सिंह के अनुसार, इस मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में एक पूर्व वार्ड पार्षद हकीम कुरैशी को भी गिरफ्तार किया गया है। कोटडा की एक अदालत ने पुलिस को उसे पांच दिनों की हिरासत में सौंप दिया। चार आरोपियों - लुकमान, सोहेल मंसूरी, रयान मोहम्मद और अफराज को पांच दिनों की पुलिस रिमांड के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कई रिपोर्टों के अनुसार, यौन शोषण मामले में सांप्रदायिक पहलू ने ब्यावर जिले में स्थिति को तनावपूर्ण बना दिया है। सभी आरोपी एक विशेष समुदाय से हैं, जबकि लड़कियां दूसरे समुदाय से हैं।

पीड़ितों में से एक ने एक टीवी चैनल को बताया कि लड़के कुछ अंतरंग तस्वीरों का इस्तेमाल करके उन्हें ब्लैकमेल कर रहे थे। उसने कहा कि 14-15 लड़के सेक्सटॉर्शन रैकेट का हिस्सा थे, और पीड़ि ?तों में उसकी कक्षा की पांच लड़कियां भी शामिल थीं। उसने कहा कि अन्य लड़कियां भी निशाना बन सकती हैं।

मसुदा, बिजयनगर, केकड़ी और सरवाड़ समेत ब्यावर जिले के कई इलाकों में बाजार बंद रहे, क्योंकि कई संगठनों ने आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर रैलियां निकालीं। डीएसपी सिंह ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि अब तक आरोपियों के फोन पर पीड़िताओं की कोई आपत्तिजनक तस्वीर नहीं मिली है। जब्त किए गए उपकरणों को जांच के लिए राज्य फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है। पुलिस को अभी पीड़िताओं की मेडिकल रिपोर्ट नहीं मिली है। पहली एफआईआर 16 फरवरी को दो परिवारों की शिकायतों के आधार पर दर्ज की गई थी, जबकि बाद में तीन अन्य परिवारों ने भी इसी तरह के आरोप लगाए।

18 फरवरी को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महिला सुरक्षा को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा, ब्यावर और टोंक में लड़कियों के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार के मामलों का जिक्र किया। हलोत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा "क्या भाजपा शासन में असुरक्षा के कारण लड़कियां घर से निकलना बंद कर देंगी ?उ सरकार दबाव में है और पुलिस अभी तक कोई ठोस सबूत नहीं जुटा पाई है, जबकि यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने के आरोपों ने मसूदा और ब्यावर के अन्य आस-पास के इलाकों में बाजार बंद कर न्याय की मांग को लेकर रैलियां निकाली हैं।

भारत के किस मामले में आया नाम?

इसका फायदा यह हुआ कि विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और जापान की युद्ध नीति से जुड़े कई खुफिया कोड का पता लगा लिया गया। इस तरह अमेरिका और ब्रिटेन ने आगे भी खुफिया जानकारी साझा करना जारी रखा।

दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद जब सोवियत संघ मजबूती से उभरा, तब अमेरिका और ब्रिटेन के इस गठबंधन ने खुफिया जानकारी साझा करना जारी रखा। 1946 में दोनों देशों ने अपने इस समझौते को आधिकारिक मान्यता दे दी। तब इसे ब्रिटिश-यूएस कम्युनिकेशन इंटेलिजेंस एग्रीमेंट (इफ्ब्रअ) नाम दिया गया। इस पर दोनों देशों की सरकारों-सेनाओं और नौसेनाओं के खुफिया संचार विभाग की तरफ से हस्ताक्षर किया गया था।

बाद में एक-एक कर के कुछ और देशों को भी इस समझौते का हिस्सा बनाया गया। 1948 में कनाडा इस समझौते से जुड़ने वाला पहला देश था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड इस समझौते से 1956 में जुड़े। एक समझौते से पांच देशों के जुड़ने के बाद इसे फाइव आइज नाम दे दिया गया। यह गठबंधन अमेरिका-सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध के समय काफी काम आया और अलग-अलग महासागरों में मौजूद देशों ने रूस की गतिविधियों की निगरानी कर अमेरिका को जबरदस्त फायदा पहुंचाया।

फाइव आइज अलायंस काम कैसे करता है?

फाइव आइज के पांच सदस्य देश अपनी घरेलू और विदेशी खुफिया एजेंसियों के जरिए अलग-अलग मुद्दों पर जानकारी साझा करते हैं। कनाडा के एक खुफिया विभाग के अफसर ने 2020 में सैन्य मामलों से जुड़ी पत्रिका मे बताया कि...

हालांकि, बदलते समय के साथ फाइव आइज की खुफिया गतिविधियों में भी बदलाव देखा गया है। खासकर सोवियत संघ में टूट के बाद इस गठबंधन आतंकवाद-कट्टरपंथी गतिविधियों और चीन के बढ़ते प्रभाव पर भी नजर रखना शुरू कर दिया। फाइव आइज में न्यूजीलैंड को छोड़कर बाकी सभी देशों ने चीन के शिनजियांग में ईगुर मुस्लिमों के हालात को लेकर चिंता जताई है। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग और ताइवान में लोकतंत्र को तबाह करने की नीति को लेकर कड़ी निगरानी रखी है।

फाइव आइज से जुड़े देशों के बीच सहयोग तय करने के लिए इस गठबंधन ने एक परिषद- 'फाइव आइज इंटेलिजेंस ओवरसाइट एंड रिव्यू काउंसिल' भी स्थापित किया है। सितंबर 2016 में ऋक्कडफ्ळ की स्थापना गैर-राजनीतिक निगरानी, समीक्षा और सुरक्षा संस्थान के तौर पर की गई थी। इसमें शामिल देश आपसी हितों वाले मुद्दों पर खुफिया जानकारी साझा करते हैं और एक-दूसरे से अहम मामलों पर संपर्क में रहते हैं।

कब-कब विवादों में रहा फाइव आइज गठबंधन?

फाइव आइज गठबंधन की गतिविधियां लंबे समय तक पर्दे के पीछे ही रहीं। ऐसे में इसके काम करने के तरीके, सुरक्षा और निजता को लेकर कोई खास जानकारी सामने नहीं आ पाई। 2013 में यह गठबंधन पहली बार विवादों में तब घिरा, जब अमेरिका की एक सुरक्षा एजेंसी- नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी के कॉन्ट्रैक्टर एडवर्ड स्नोडेन ने कई गुप्त जानकारियां दुनिया के सामने रख दीं।

स्नोडेन की तरफ से मुहैया कराए गए दस्तावेजों में फाइव आइज में शामिल देशों के एक-दूसरे के नागरिकों पर बड़े स्तर पर चलाए जा रहे निगरानी कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई थी। स्नोडेन ने इस गठबंधन को अंतरराष्ट्रीय खुफिया संगठन करार दिया था, जो कि अपने ही देश के कानून के प्रति जवाबदेही नहीं रखता।

ब्रिटेन-आधारित चैरिटी प्राइवेसी इंटरनेशनल का दावा है कि फाइव आइज के मूल समझौते में निगरानी गतिविधियों के आउटसोर्सिंग की बात भी है। इसके चलते एजेंसियां बेरोकटोक असीमित खुफिया जानकारी तक पहुंच बना सकती हैं। इन देशों में घरेलू स्तर पर भी ऐसा कोई कानून नहीं है, जिसके तहत खुफिया जानकारी साझा करने की कोई शर्त हो।

कनाडा के लिए कितना अहम है फाइव आइज?

अमेरिका की तरफ से कनाडा को फाइव आइज गठबंधन से निकालने की बात करना देश की मौजूदा जस्टिन ट्रूडो सरकार से लेकर आने वाली सरकारों के लिए मुश्किल पैदा कर सकती है। दरअसल, कनाडा अपनी सुरक्षा को मजबूत करने और खतरों से निपटने के लिए काफी हद तक फाइव आइज पर निर्भर है। इसमें शामिल देश भले ही गठबंधन के तहत युद्ध या कूटनीति के क्षेत्र में मदद न करें, लेकिन यह देश एक-दूसरे को ऐसी अहम जानकारियां मुहैया कराते रहे हैं, जिनसे बड़े खतरों को टालने में मदद मिली है।

कनाडा ने फाइव आइज इंटेलिजेंस के जरिए आतंकी हमलों, साइबर सुरक्षा, रूस के चुनावी दखल से निपटने और अफगानिस्तान समेत कई देशों में अभियान से जुड़ी रणनीति बनाने में मदद की है।

यूपीः अप्रैल से पहले गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे पर दौड़ेंगे वाहन, 99 फीसदी काम पूरा, इन जिलों को होगा फायदा

एनपीटी ब्यूरो

लखनऊ। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस अप्रैल के पहले ही आम जनता के लिए खोला जा सकता है। इस एक्सप्रेसवे का काम 99 फीसदी पूरा हो चुका है।

सरकार का महत्वाकांक्षी गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे तैयार है। महाकुंभ के समापन के साथ ही इसे 100 फीसदी पूरा कर दिया जाएगा। अभी तक 99 फीसदी से ज्यादा काम हो चुका है। बचे हुए काम जल्द से जल्द पूरे करने निर्देश मुख्य सचिव ने दिए हैं। इस एक्सप्रेस से लखनऊ-गोरखपुर का सफर साढ़े तीन घंटे का रह जाएगा।

91.35 किलोमीटर लंबा ये एक्सप्रेस वे चार लेन का है। इसकी लागत करीब 5876 करोड़ रुपये आई है। इस एक्सप्रेस वे के शुरू होने के बाद गोरखपुर, संत कबीर नगर,

अंबेडकरनगर और आजमगढ़ के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही इन जिलों के लोगों को लखनऊ तक की सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और औद्योगिक, कृषि, पर्यटन क्षेत्र में भी बढ़ावा मिलेगा। गोरखपुर से लखनऊ जाना और भी आसान हो जाएगा।

ये एक्सप्रेस वे जैतपुर (गोरखपुर) से शुरू हो रहा है और आजमगढ़ स्थित सालारपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से मिलेगा। जनवरी के पहले सप्ताह में ही इसके लोकार्पण की तैयारी थी, लेकिन बेलघाट के पास सरयू नदी की धारा से एप्रोच कट जाने से तारीख को आगे बढ़ाना पड़ा। भविष्य के लिए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर बेलघाट के पास सरयू नदी की तेज धारा से एप्रोच सुरक्षित करने के लिए सेतु निगम ने तीन स्तरीय सुरक्षा घेरा लगभग तैयार कर दिया है।

इसके लिए नदी में शीट पाइल की दीवार लगाई गई है। इसके बाद टेक्सटाइल ट्यूब लगाई जा रही है और फिर नदी की धारा को मोड़कर मुख्य धारा से जोड़ने के लिए ड्रेजर का चैनल बनाया गया है। एप्रोच सुरक्षित करने के लिए इस पर करीब 200 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च किए गए हैं।

अन्य एक्सप्रेस वे की तरह गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर भी दो स्थान पर यूटिलिटी सेंटर बनाए जा रहे हैं। करीब 30 एकड़ में प्रस्तावित इस सेंटर पर पेट्रोल पंप, सीएनजी पंप, होटल व रेस्त्रां के अलावा वाहनों की मरम्मत की व्यवस्था भी होगी।

श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज के ट्रेनिंग, डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट विभाग में वर्कशाप का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली ,श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज आफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी, बरेली के ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट द्वारा 4 दिवसीय (24 फरवरी से 27 फरवरी 2025) वर्कशाप का आयोजन नेटकेम्प सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता के विशेषज्ञ द्वारा आयोजित किया गया। जिसे नेटकेम्प के डायरेक्टर श्री शांतु पुकरैत ने संचालित किया और छात्र तथा छात्राओं को एंड्रॉयड एण्ड एथीकल हैकिंग के बारे में बताया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. अनुज कुमार, निदेशक-ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट ने नेटकेम्प कम्पनी के डायरेक्टर प्रतिनिधि का स्वागत किया तथा छात्र छात्राओं को उनके विषय में अवगत कराया।

4 दिवसीय वर्कशॉप में नेटकेम्प सॉल्यूशन कंपनी के

तकनीकी विशेषज्ञ ने छात्र छात्राओं के मन में उठने वाले विभिन्न प्रश्नों का समाधान भी किया।

कार्यशाला संस्थान के नये सभागार में आयोजित की गयी जिसमें श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलॉजी, बरेली और श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज आफ इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी रिसर्च बरेली के बी.टेक तृतीय वर्ष और एम.सी.ए. अंतिम वर्ष के छात्र - छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के समापन पर डॉ. अनुज कुमार, निदेशक-ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट ने नेटकेम्प सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, कंपनी से आऐं सदस्य के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की कामना की।

इस आयोजन को सफल बनाने में अरविंद मिश्रा, रिया रेजी एवं राहुल सक्सेना का विशेष योगदान रहा।

आज से पूरे प्रदेश में बदलेगा मौसम, तेज हवा के साथ होगी बारिश, इन जिलों में ओले गिरने का अलर्ट

एनपीटी ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के मौसम में बदलाव का पूवार्नुमान जारी हुआ है। आने वाले तीन से चार दिनों तक कहीं कम तो कहीं ज्यादा बारिश होगी। कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं।

अगले तीन-चार दिनों के लिए उत्तर प्रदेश के मौसम में बदलाव के संकेत हैं। एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार को प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी-तराई हिस्सों में तेज झोंकेदार हवा व गरज चमक संग बारिश की संभावना है। बारिश व बादलों की वजह से तात्कालिक तौर पर तापमान में तीन से चार डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं। कुल मिलाकर मार्च की शुरूआत सुहाने मौसम से होने वाली है।

मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को प्रदेश के जिन इलाकों में बारिश होगी, वहां 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से रह-रह कर झोंके दार हवा भी चलेगी। वहीं पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद समेत पश्चिम के 11 जिलों में ओले गिरने की संभावना जताई गई है। शनिवार को भी प्रदेश के 35 से ज्यादा जिलों में वज्रपात की चेतावनी है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से पश्चिमी यूपी और पूर्वी तराई इलाकों में झोंकेदार हवा व गरज चमक संग बारिश के संकेत हैं। रविवार से हवा का रुख पछुआ हो जाएगा और रफ्तार भी बढ़ जाएगी।

यहां है ओले गिरने की संभावना

सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर व आसपास के इलाकों में।

गरज-चमक संग वज्रपात की संभावना

महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में।

यूपी सिपाही भर्ती: शारीरिक दक्षता परीक्षा संपन्न, मार्च में घोषित होगा रिजल्ट, डेढ़ लाख अभ्यर्थी हुए शामिल

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ। यूपी सिपाही भर्ती परीक्षा में शारीरिक दक्षता परीक्षा खत्म हो गई है। इस परीक्षा में करीब डेढ़ लाख अभ्यर्थी शामिल हुए।

सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) बृहस्पतिवार को संपन्न हो गई। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के बारे में शुक्रवार को विस्तृत जानकारी मुहैया कराएगा। बता दें कि दौड़ परीक्षा में करीब 1.50 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। अब मार्च माह में परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित होगा।

भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि पीएसी की सभी 12 वाहिनियों में शारीरिक दक्षता परीक्षा सकुशल संपन्न हो गई है। बोर्ड द्वारा बीती 10 फरवरी से इसका आयोजन किया जा रहा था। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद शारीरिक मानक परीक्षा एवं दस्तावेजों की

जांच में भी सफल अभ्यर्थियों को दौड़ परीक्षा के लिए बुलाया गया था।

बता दें कि बोर्ड द्वारा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का मेडिकल टेस्ट और चरित्र प्रमाण पत्र भी लिया जाएगा। मार्च माह में मेरिट के आधार पर परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित किया जाएगा। इसमें महिलाओं को 20 फीसद आरक्षण भी दिया जाएगा।

बरेली से कुशीनगर की फ्लाइट चार माह बाद हो सकती है शुरू

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। एयरपोर्ट से कुशीनगर तक हवाई सेवा मुहैया कराने के लिए अनुबंधित एयरलाइंस जेटविंग्स ने विमान खरीद लिया है। वह विमान दुबई एयरपोर्ट पर है। उसे भारत लाने के लिए उड्डयन मंत्रालय की औपचारिकता की जा रही है। आसार है कि चार माह बाद यहां से कुशीनगर की उड़ान शुरू हो सकेगी।

पिछले वर्ष जुलाई में बौद्ध तीर्थस्थल कुशीनगर के लिए जेटविंग्स एयरलाइंस को उड़ान की अनुमति मिली थी। विमान के अभाव में हवाई सेवा शुरू नहीं हो सकी। कंपनी ने विमान की खरीदारी की प्रक्रिया पूरी करने के बाद अक्तूबर में उड़ान शुरू होने की बात कही थी।

नवंबर से शीतकालीन शेड्यूल जारी होने के चलते कवायद धीमी रही। अब सर्दियां थम चुकी हैं। अधिकारियों ने एयरलाइंस से संपर्क किया तो उन्होंने विमान खरीदने की जानकारी दी बताया कि विमान दुबई में है।

वहां से भारत लाने की औपचारिकता की जा रही है। एयरपोर्ट निदेशक अवधेश अग्रवाल ने बताया कि विमान आने के बाद विमानन महानिदेशालय से उड़ान संबंधी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उसके बाद कुशीनगर एयरपोर्ट के लिए हवाई सेवा शुरू हो सकेगी।

बेहतरीन प्रदर्शन पर दरोगाओं को सम्मान, लापरवाही पर 57 पर जांच के आदेश

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। जनवरी में बेहतरीन प्रदर्शन करने बाले दरोगाओं को सम्मान और लापरवाही पर 57 पर जांच के आदेश दिए।

एसएसपी अनुराग आर्य ने जनवरी में गिरफ्तारी और वसूली वारंट की तामील में अच्छा प्रदर्शन करने वाले उपनिरीक्षकों को सम्मानित किया है। वहीं लापरवाह 57 दरोगाओं पर जांच के आदेश किए हैं। एसएसपी के इस एक्शन से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने जनवरी में गिरफ्तारी और वसूली वारंट की तामील में अच्छा प्रदर्शन करने वाले उपनिरीक्षकों को सम्मानित किया है। वहीं लापरवाह 57 दरोगाओं पर जांच के आदेश किए हैं। एसएसपी के इस एक्शन से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

मैनपुरी में हिंदू नववर्ष शोभायात्रा के कार्यक्रम संयोजक बने गौतम ठाकुर

मैनपुरी - चेत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 हर वर्ष हर्षौल्लास से निकलने वाली हिंदू नववर्ष शोभायात्रा इस वर्ष भी धूमधाम से मैनपुरी में आयोजित की जा रही है जिसमे सर्वसम्मित से महाराज हरिहरानंद जी के शुभाशीष से इस वर्ष शोभायात्रा का संयोजक गौतम ठाकुर जी को चुना गया ।

आठ मार्च से शुरू होगी 165 साल पुरानी श्रीरामलीला 13 को राम बारात निकलेगी

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। श्री रामलीला सभा, बृहमपुरी, नाथ नगरी, बरेली धाम द्वारा आयोजित ऐतिहासिक रामलीला आठ मार्च से शुरू होगी। इसके मंचन पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन आज किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने रामलीला के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया।

वक्ताओं ने बताया कि बरेली की रामलीला पिछले 165 वर्षों से मंचित हो रही है और इसे समाज के सभी वर्गों का सहयोग प्राप्त है।

समिति के पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी रामलीला का भव्य मंचन किया जाएगा, जिसमें श्री राम कथा के विभिन्न प्रसंगों को दशार्या जाएगा। इस दौरान कलाकारों की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर संरक्षक डॉ. उमेश गौतम, किशोर कट्टर, अनुपम कपूर, सर्वेश रस्तोगी सहित समिति के कई पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बाबासाहेब 'संविधान' और 'सामाजिक न्याय के सूत्रधार थेः- वीरपाल सिंह यादव

एनपीटी ब्यूरो

पीडीए पंचायत का चर्चा कार्यक्रम बिथरी चैनपुर के ब्लॉक क्यारा के बिरिया गांव नारायणपुर में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव ने कहा प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथी' सदैव आरक्षण के विरोधी रहे हैं। चूंकि बाबासाहेब 'संविधान' और 'सामाजिक न्याय के सूत्रधार थे, इसीलिए ऐसे प्रभुत्ववादी नकारात्मक लोगों को बाबासाहेब हमेशा अखरते थे

डॉ देवेंद्र ने कहा सभी लोगों अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई पर ज्यादा ध्यान देने चाहिए जब बच्चों में शिक्षा का ज्ञान होगा तो अपने हक की लड़ाई लड़ सकते है

मीटिंग की अध्यक्षता राजवीर यादव जिला पंचायत सदस्य संचालन रमेश यादव ने किया राजकुमार यादव,जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव,महिला सभा की प्रदेश सचिव भारती चौहान,महिला सभा की जिला अध्यक्ष स्मिता यादव,जिला महासचिव डॉ दीपशिखा यादव,जिला कोषाध्यक्ष ऊषा यादव,सीमा श्रीवास्त,प्रधान कुलदीप सिंह, प्रधानअक्षित यादव ,किशन यादव बिरिया ,अशोक यादव जिला कोषाध्यक्ष मौजूद रहे।

ओजोन ऑक्सीजन थेरेपी चिकित्सा शिविर का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली ,देश में पहली बार घुटनों के प्रत्यारोपण से छुटकारे के लिए लायन्स क्लब बरेली मेल्विन जोन्स द्वारा एक ओजोन ऑक्सीजन थैरेपी चिकित्सा शिविर का आयोजन 1 व 2 मार्च को एसएस हॉस्पिटल (रिठौरा), पीलीभीत रोड, बरेली में किया जा रहा है। यह जानकारी एक प्रेसवार्ता में शिविर के आयोजन से जुड़े लोगों ने दी। उन्होंने बताया कि, यह एक जर्मन तकनीक है, जिसके जानकार, चिकित्सक अपने देश में बहुत कम हैं। इस शिविर में भारत के जाने माने हड्डी रोग विशेषज्ञ राष्ट्रपति

पुरस्कार से सम्मानित डॉ0 आरए अग्रवाल द्वारा ओजोन चिकित्सा थैरेपी द्वारा की जायेगी। उन्होंने बताया कि इस उपचार से नी-ज्वाइन्ट रिपलेसमेंट को रोका जा सकता है। इस चिकित्सा शिविर के लिए लगभग 160 मरीजों के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। डॉक्टरों की टीम द्वारा चयनित मरीजों के ही ऑपरेशन इस शिविर में किये जायेंगे।

एक केस में लगभग 25 से 30 मिनट लगेंगे तथा लगभग 30 मिनट आराम करने के उपरांत मरीज घर जा सकेंगे। इसका कोई साईड इफेक्ट नहीं है। मरीज को कुछ दवाइयां खानी होंगी इस उपचार के उपरान्त जीवनभर घुटना बदलने की आवश्यकता नहीं होगी। इस शिविर में मरीजों के रहने व खाने-पीने व दवाइयों आदि की व्यवस्था क्लब द्वारा की गई है। शिविर प्रायोजक राय बहादुर लाला शिव प्रसाद फाउंडेशन, श्री गट्टूमल फाउन्डेशन, सरदार बलवंत सिंह मैमोरियल ट्रस्ट है।

संपादकीय

अध्यात्म संग मानसिक-शारीरिक कल्याण

जब कहा जाता है कि भारत पर्व व त्योहारों का देश है, तो उसकी ठोस वजह है। जब मौसम व प्रकृति अपना रूप बदल रहे होते हैं तो इनके संधिकाल पर ये पर्व-त्योहार दस्तक देते हैं। हमें सचेत कर रहे होते हैं कि बदलते मौसम के अनुरूप अपना खान-पान, रहन-सहन और विचार-वाणी बदलिए। अध्यात्म हमें वास्तव में मानवीय बनने की प्रेरणा देता है ताकि हम आत्मकेंद्रित होने के बजाय प्रकृति, समाज, कुदरत की रचनाओं, वंचितों व जरूरतमंदों की भी फिक्र करें। शिवमय हुए देश में पर्व के मर्म को महसूस किया जा सकता है। सूर्योदय के साथ दैनिक कर्मों से निवृत्त लोग आस्थास्थलों की तरफ उमड़ते देखे जाते हैं। सूर्य के उगने से पहले उठना अपने आप में सेहत की कुंजी है। शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें हममें धैर्य भर देती हैं, जो बताता है कि यदि हम नियम व कायदे के अनुरूप अपनी आस्था की अभिव्यक्ति करें तो तीर्थस्थल भगदड़ की त्रासदियों से सदा-सदा के लिए मुक्त हो सकते हैं। दरअसल, चाहे हमारे तीर्थ हों या देवालय, हमारे पूर्वजों ने उन्हें प्रकृति की सुषमा और जल स्रोतों के करीब बनाया है। जहां हम दैनिक जीवन की एकरसता से मुक्त होकर प्रकृति के सान्निध्य में सुकून महसूस कर सकें। हमारे बड़े तीर्थों के दुर्गम व पहाड़ी इलाकों में स्थित होने का अर्थ भी यही है कि हम शरीर को गतिशील बनाएं। हम पसीना बहाएं, जो अपने साथ शरीर के विजातीय द्रव्यों को बाहर निकालकर हमें स्वस्थ बनाता है। सही मायनों में हमारे पर्व-त्योहार समाज के लिए सेफ्टी-वॉल का काम ही करते हैं, भागमभाग के तनाव से मुक्त करते हैं। दफ्तर-परिवार में ऊंच-नीच से उपजी असहज स्थितियों से मुक्त होने का अवसर ये पर्व देते हैं। दरअसल, समय के साथ जीवनशैली में आए बदलावों संग न केवल हमारा व्यवहार कृत्रिम हुआ है बल्कि हमारा खानपान भी अपना मूल स्वरूप खो चुका है। ऐसे में ये पर्व हमें जीवन की वास्तविकता से रूबरू कराते हैं।

कहने को तो हमारे पर्व-त्योहार आस्था व आध्यात्मिक व्यवहार से जुड़े हैं, लेकिन सही मायनों में वे हमारे स्वास्थ्य का संवर्धन कर रहे होते हैं। शिवरात्रि के व्रत में हम बेर आदि उन फलों का सेवन करते हैं, जो बदलते मौसम में हमारी शरीर की जरूरतों को पूरा करते हैं। तमाम लोग मंदिरों के बाहर दूध व फल आदि के लंगर लगाते हैं; जिससे दान देने वाले तो सेवाभाव से अभिभूत होते ही हैं, साथ ही श्रद्धालुओं के साथ ही तमाम गरीबों, जरूरतमंदों व भूखों को भी इससे लाभ मिलता है। ये पर्व हमारी आर्थिकी के लिए भी उत्प्रेरक तत्व हैं। फलों व पर्व से जुड़े सामान की बिक्री खूब होती है। उन लाखों लोगों को आर्थिक लाभ व रोजगार मिलता है, जो धार्मिक स्थलों के बाहर सड़कों पर दुकान लगा रहे होते हैं। इन धार्मिक स्थलों में पहुंचे श्रद्धालुओं में आस्था के चलते सहजता, सरलता, परोपकार आदि मानवीय गुणों की अभिव्यक्ति होती है। जो हममें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। मंदिर व पूजा-पाठ से जीविका चलाने वालों की आर्थिकी इन पर्वों से समृद्ध होती है। वहीं पर्व-व्रत के धार्मिक-आध्यात्मिक पक्ष के इतर समाज-कल्याण व सेहत से जुड़ा पक्ष भी सशक्त है। सबसे महत्वपूर्ण तो व्रत है। व्रत का एक संपूर्ण विज्ञान है। विडंबना यह है कि हम अपने आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा जैसे सर्वसिद्ध ज्ञान को गंभीरता से नहीं लेते। हाल ही के दिनों में विकसित देशों ने तमाम शोधों के बाद व्रत को दवा की संज्ञा दी है। प्राकृतिक चिकित्सा में व्रत के प्रकार, उसे खोलने में सावधानी व उपचार में उपयोग को लेकर विस्तृत अध्ययन उपलब्ध है, जो बताता है कम खाने से हमारा शरीर का पाचनतंत्र बेहतर ढंग से काम करता है। हम अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं। लेकिन व्रत वाले दिन हम तमाम ऐसे विकल्प तलाश लेते हैं जो सामान्य दिनों के खाने से ज्यादा होता है। सही मायनों में व्रत विशुद्ध शारीरिक स्वास्थ्य की एक स्वयंसिद्ध प्रक्रिया है। हमारे पूर्वजों ने इस धर्म और अध्यात्म से जुड़कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सनातनी सदियों तक व्रत और परंपराओं का पालन करते हुए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें।

महाकुंभ की सफलता ने दुनिया को चौंकाया

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की।

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुम्भ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया, इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया, जो न केवल दुनिया को चौंकाने वाला बल्कि सनातन परम्परा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस सफल आयोजन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उत्तर प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को एक नये अध्याय के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित यह मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना, जो न केवल अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण बना बल्कि दुनिया में भारत की एक नई छवि, भीड़ प्रबंधन, सनातन एकता के लिये अमिट आलेख बन गया है। सनातन गहराई को मापने वालों को बधाई, इससे नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी हिन्दू संस्कृति पुनः अपने मूल्यों एवं संगठन के साथ नई शक्ल एवं ताकत के रूप में प्रतिष्ठापित होगी।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धमार्चार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है। उदाहरण के लिए सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। दूसरी तरफ इराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये अब जागरूक एवं संगठित नहीं होगा तो कब होगा?

प्रयागराज महाकुंभ लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं देखकर दुनिया भौचक रह गयी। भीड़ प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटिलेंजेंस का उपयोग और ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम से संदिग्धों पर निगाह रखना भविष्य की पुलिसिंग की तस्वीर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों के विशेषज्ञ यहां भीड़ प्रबंधन पर शोध करने पहुंचे हैं। इतने बड़े आयोजन में एक दो घटनाएं इतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु उल्लास और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो लौटा। महाकुंभ ने उन सभी स्थानों के लिए एक मानदंड प्रस्तुत किया है, जहां कुंभ अर्धकुंभ के आयोजन होने हैं। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है।

मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिंदू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं। आज विश्व भारत को केवल एक राष्ट्र राज्य के रूप में नहीं देखता बल्कि उसे सनातन संस्कृति की जन्मभूमि और हिंदू राष्ट्र के रूप में पहचानता है। नेपाल, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया जैसे देशों की संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भगवद्गीता का पाठ किया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि विश्व भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्वीकार कर रहा है। अमेरिका और यूरोप में भी योग, वेदांत और भगवद्गीता के प्रति बढ़ती रूचि यह दशार्ती है कि हिंदू जीवन दर्शन वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। महाकुंभ के खिलाफ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। कुंभनगरी में सबसे ज्यादा फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया, यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया, इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे, जिनके नुमाइंदे ही नहीं, बल्कि लगभग 180 देशों के लोगों ने महाकुंभ में सम्मिलित होकर महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है। अनेक विदेशी ने सनातन धर्म में दीक्षित हुए है।

अधिसंख्य आबादी तक पहुंचें सस्ती दवाइयां, जेनेरिक दवाएं

एक अनुमान के मुताबिक, किसी भी मरीज के इलाज के दौरान होने वाले खर्च का 70 प्रतिशत अकेले दवाओं पर खर्च हो जाता है। सरकार ने पिछले महीने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि इलाज और दवा पर होने वाले खर्च की वजह से देश में हर साल 3 करोड़ 8 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं।

पिछले काफी समय से जेनेरिक या ब्रांडेड दवाओं पर बहस छिड़ी है। पिछले साल नेशनल मेडिकल कमीशन ने एक नियम लागू किया था। इसमें कहा गया था कि डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं भी लिखनी होंगी। नियम न मानने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एनएमसी के इस फैसले के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इस नियम पर सवाल खड़े किए थे। कई डॉक्टर एसोसिएशन ने भी नए कानून का विरोध कर इसको वापस लेने की मांग की थी। तर्क यह दिया गया था कि ब्रांडेड दवा न लिखने से मरीजों को नुकसान हो सकता है। विरोध के बाद एनएमसी ने अपना फैसला वापस ले लिया था। सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन की तैयारी कर रही है। इसके बाद डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखनी होंगी, न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की। इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि जेनेरिक दवाओं के चलन से बड़ी फार्मा कंपनियों को सीधे नुकसान होगा।

आमतौर पर सभी दवाओं में एक तरह का ह्यकेमिकल सॉल्टह्ल होता हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड (जैसे क्रोसिन) के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है।

जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड की तुलना में 10 से 20 गुना तक सस्ती होती हैं। दरअसल, फार्मा कंपनियां ब्रांडेड दवाइयों की रिसर्च, पेटेंट और विज्ञापन पर काफी पैसा खर्च करती हैं। जबकि जेनेरिक दवाइयों की कीमत सरकार तय करती है और इसके प्रचार-प्रसार पर ज्यादा खर्च भी नहीं होता।

कई जानलेवा बीमारियां जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी-बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग-अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेज की ब्रांडेड दवा का खर्च 2,500 डॉलर यानी करीब 1 लाख 75 हजार रुपये है, जबकि जेनेरिक दवा में यही खर्च 12 डॉलर यानी महज 840 रुपये महीने तक हो सकता है। हालांकि, इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या वहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं।

देश में फार्मा इंडस्ट्री 1.20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की है और इसकी सालाना ग्रोथ 11 प्रतिशत है। देश में सालाना करीब 1.27 लाख करोड़ की दवाएं बेची जाती हैं, इसमें 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा जेनेरिक दवाओं का है। भारत जेनेरिक दवाइयों का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। दुनियाभर की डिमांड की 20 प्रतिशत दवाइयां भारत सप्लाई करता है। अमेरिका में 40 प्रतिशत और यूके में 25 प्रतिशत दवाइयां भारत सप्लाई करता है। 2018-19 में देश से 1,920 करोड़ डॉलर की दवाइयां एक्सपोर्ट की गईं। दुनियाभर में कुल वैक्सीन डिमांड का 50 प्रतिशत भारत से सप्लाई होता है। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका, रूस, ब्राजील, नाइजीरिया और जर्मनी में भी भारतीय दवाएं एक्सपोर्ट की गईं।

एक अनुमान के मुताबिक, किसी भी मरीज के इलाज के दौरान होने वाले खर्च का 70 प्रतिशत अकेले दवाओं पर खर्च हो जाता है। सरकार ने पिछले महीने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि इलाज और दवा पर होने वाले खर्च की वजह से देश में हर साल 3 करोड़ 8 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। फिलहाल सरकार की आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क इलाज और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती जेनेरिक दवाओं का मिलना लोगों के लिए राहत की बात है। आयुष्मान भारत योजना का दायरा देश की अधिसंख्य आबादी तक बढ़ाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य लोगों को ब्रांडेड महंगी दवाइयों के स्थान पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां प्रदान करना है। सरकार के प्रयास के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समय आ गया है कि सामुदायिक स्तर पर जेनेरिक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाए। देश में बढ़ती महंगाई के दौर में लोगों को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाइयों के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। ऐसे में समय आ गया है कि सभी को जेनेरिक दवाओं के माध्यम से सस्ती दवाएं मुहैया कराइ जाएं।

दुल्हनों से बर्बरता पर सीएम ने लिया संज्ञान, परिवार से मिले मंत्री, बोले- बचेंगे नहीं सपा के गुंडे

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा में पांच दिन पहले करनावल में शादी के दिन बेटियों और बरातियों से मारपीट का मामला अब तूल पकड़ गया है। बुधवार को प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचे। उन्होंने घटना को लेकर सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा के गुंडों को ठीक करना हमें आता है। उन्होंने कहा कि घटना को सीएम योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लिया है। सभी हमलावरों पर उन्होंने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई करने के निर्देश डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय को दिए हैं। समाज कल्याण मंत्री ने पीड़ित परिवार से घटना के संबंध में जानकारी लेने के साथ ही डीआईजी से कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली। मंत्री ने पीड़ित परिवार को बताया कि सभी 15 नामजद आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है, उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी को उन्होंने आरोपियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई करने के लिए कहा। पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि सपा के गुंडों को लगा कि वे इस घटना के बाद बच जाएंगे, लेकिन अब वह बच नहीं पाएंगे। सरकार ने यह पहले भी किया है। अगर किसी बेटी की शादी में कोई गुंडा विघ्न डालेगा तो उसका इलाज करना हमें आता है। सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा के लोग हमेशा समाज को गलत दिशा में ले जाने का प्रयास करते हैं, लेकिन सीएम योगी समाज को सही दिशा में ले जा रहे हैं। बेटियों की शादी का आश्वासन देते हुए कहा कि हमारी सरकार, संगठन और सर्वसमाज मिलकर शादी में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी को शक है तो हमारी बहन बेटी की तरफ आंख उठाकर देखे, हम उसे ठीक करेंगे। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि आरोपियों के विरुद्ध पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बेटियों और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने का प्रयास करेंगे। इससे मुकदमे की सुनवाई में देरी नहीं होगी। पीड़ितों को न्याय मिलने के साथ आरोपियों को उनके किए की सजा मिल सके।

महाशिवरात्रि पर संघ के स्वयंसेवकों ने किया घोष वादन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। आरएसएस की महानगर इकाई ने बुधवार को महाशिवरात्रि अखिल भारतीय घोष दिवस मनाया। स्वयंसेवकों द्वारा श्रीकृष्ण जन्मभूमि लीला मंच पर वाद्य यंत्रों के साथ शिव तरंग कार्यक्रम किया। इस दौरान महानगर कार्यवाह विजय बंटा ने बताया कि महाशिवरात्रि अखिल भारतीय घोष दिवस पर सभी जिलों के मुख्यालय पर संघ के स्वयंसेवक घोष वादन करते हैं। घोष वादकों का सौभाग्य है कि प्रभु श्रीराम का स्मरण कर योगीराज भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर महाशिवरात्रि के दिन घोष का यह वादन राम, कृष्ण, विश्वनाथ-तीनों देव साथ का परिचय देता है। उन्होंने कहा कि समाज में भी संघ के घोष की अपनी विशेष पहचान है। संघ के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासित पद्धति से घोष कार्यक्रम कर रहे थे। इसके बाद स्वयंसेवकों ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर ठाकुरजी के दर्शन किए। ललित कुमार, संजय, महानगर प्रचारक सचिन, श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सचिव कपिल शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा में मचा घमासान, पूर्व MLA ने बलदेव विधायक को कहा षड्यंत्रकारी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। भाजपा के अंदर गुटबाजी लगातार सामने आ रही है। राया में ब्लाक प्रमुख पद को लेकर खींचतान मची है। पूर्व में राया ब्लाक प्रमुख को कोर्ट ने अयोग्य घोषित किया और दूसरे को विजेता। अभी वह शपथ नहीं ले पाईं। भाजपा के ही पूर्व विधायक ने मंगलवार को प्रेसवार्ता की और बलदेव से पार्टी के विधायक पर शपथ में अड़ंगा लगाने का आरोप लगाया। कहा कि षड्यंत्र कर पार्टी प्रत्याशी को हरवाया था। बाद में पता चला कि इस मामले में विपक्षी हाई कोर्ट से स्टे ले आए। राया ब्लाक प्रमुख के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सावित्री देवी चुनाव हारीं और रालोद समर्थित चंचल चौधरी जीत गईं। सावित्री ने आरोप लगाया कि उन्हें गलत तरीके से हराया गया, कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कुछ दिन पहले कोर्ट ने चंचल चौधरी को अयोग्य घोषित कर दिया। सावित्री को विजेता। अभी तक सावित्री शपथ नहीं ले पाईं। मंगलवार को एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक चौधरी प्रणतपाल सिंह ने कहा कि भाजपा के बलदेव क्षेत्र से विधायक पूरन प्रकाश शपथ में अड़ंगा लगा रहे हैं। पार्टी की पीठ में छूरा घोंपते हैं। सभी दलों का पानी पीकर भाजपा में घुस गए। पार्टी प्रत्याशी चंचल चौधरी को भी षड्यंत्र कर हराया। सावित्री देवी ने कहा कि दो दिन में शपथ नहीं हुई तो अनशन करेंगे। प्रशासन भी दबाव में है। बाद में पता चला कि चंचल चौधरी हाई कोर्ट से स्टे ले आई हैं। इसलिए प्रशासन ने शपथ नहीं कराई। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि सावित्री 20 फरवरी को ही अपर जिला जज के आदेश के विरुद्ध हाई कोर्ट से स्थगनादेश ले आई थीं।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर एक घायल

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। बरेली जनपद के सिरौली से अपने गांव ढोलसर मतवाली लौट रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार बुरी तरह जख्मी हो गया। घायल को शाहबाद के सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने घायल के पैर व हाथ में फ्रेक्चर होने के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

गुरुवार को शाहबाद के ढोलसर निवासी अफजाल बाइक पर सवार होकर सिरौली से अपने गांव लौट रहे थे तभी रास्ते में गुड़गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। राहगीरों की मदद से घायल को इलाज के लिए सीएचसी भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बाजार जा रही ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर खंभे से जा टकराई तीन घायल एक की मौत

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद।गुरुवार को तहसील क्षेत्र के ग्राम चकरपुर कदीम निवासी मुरली, सेवाराम तथा चालक चंद्रपाल ई रिक्शा से बड़ा गांव बाजार के लिए जा रहे थे, रास्ते में ई-रिक्शा का संतुलन बिगड़ गया और रिक्शा अनियंत्रित होकर एक खंभे से जा टकराई और पलट गई ई रिक्शा पलटने से चालक चंद्रपाल सिंह तथा ई-रिक्शा में सवार सेवा राम तथा मुरली गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सहायता से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया गया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद के चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद सेवाराम तथा मुरली की हालत को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जबकि चालक चंद्रपाल को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया सेवाराम की उम्र लगभग 70 वर्ष थी उन्होंने दम तोड़ दिया। सीएचसी सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक आदेश कुमार, आरक्षी अमित कुमार, दिवाकर सिद्धू आदि ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रधान पर जलभराव वाली सड़क पर इंटरलॉकिंग न करने का आरोप

शाहबाद। विकास खंड शाहबाद के ग्राम पंचायत भूडासी निवासी राकेश शर्मा ने ग्राम प्रधान पर पक्षपात का आरोप लगाया उन्होंने इस संबध में एसडीएम शाहबाद से इसकी शिकायत की है जिसपर एसडीएम ने बीडीओ शाहबाद को जांच के आदेश दिए हैं राकेश शर्मा के मुताबिक उनके ग्राम भूडासी मे इन्टर लाकिंग ईट से रास्ता निर्माण कार्य ग्राम प्रधान द्वारा कराया जा रहा है। जबकि प्रार्थी के मकान की रास्ते में अधिकतर जल भाराव रहता है। जिससे रास्ता अत्यधिक खराब है। उपरोक्त रास्ते से आने जाने वाले राहगीरों को अत्यधिक परेशानी होती है। शिकायतकर्ता के कहने पर ग्राम प्रधान मनाकर दिया है की हम ये सड़क नही कराएंगे । बरहाल शिकायतकताओं ने अधिकारियों से उपरोक्त रास्ता शीघ्र ठीक कराए जाने की मांग की है

भगवान श्री राम के राज्य अभिषेक के साथ श्री राम कथा का हुआ समापन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मैनपुरी /बिछवाः क्षेत्र के ग्राम सहारा में चल रहे शिवरात्रि महोत्सव के आयोजन का समापन हो गया श्री राम कथा के अंतिम दिन की कथा में बोलते हुए कथावाचक आचार्य प्रदीप सुंदर जी महाराज ने कहा कि हम लोग आज भी राम राज्य की कल्पना करते हैं भगवान श्री राम के राज्य में कोई भी दुखी नहीं था किसी की अकाल मृत्यु नहीं होती थी आगे उन्होंने कहा कि जिस राजा के राज्य में प्रजा दुखी होती है वह राजा नरक का अधिकारी होता है राजा अपनी प्रजा को अपने बच्चों की तरह रखता है उसे प्रजा भी अपने भगवान के रूप में पूजती है भगवान राम के राज्य में सब संपन्न और सुखी रहते थे आज भी हम पृथ्वी पर राम राज्य की स्थापना की कल्पना करते हैं भगवान श्री राम रावण का वध करके 14 बरस बनवास काटकर अयोध्या वापस आए तो अयोध्या वासियों ने घी के दीए जलाए तभी से हिंदू धर्म में दीपावली का त्यौहार मनाया जाता है भगवान श्री राम के राजा अभिषेक की कथा के साथ ही भगवान श्री राम की कथा का समापन हो गया शिवरात्रि महोत्सव के कार्यक्रमों के समापन पर कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर नरेश सिंह चौहान ने कार्यक्रम में सहयोग करने वालों का आभार प्रकट किया इस मौके पर सुमित कुमार चौहान एडवोकेट, राजपाल सिंह चौहान,इशेष भदोरिया, योगेश भदोरिया एडवोकेट, रामवीर सिंह चौहान,वीरेंद्र सिंह चौहान, बंटू चौहान, शिव वर्धन सिंह चौहान, अमित चौहान एडवोकेट, मनीष चौहान, राजू चौहान आदि लोग उपस्थित थे

ओम नमः शिवाय का जप जो भी करता है उसे चारों वेद पढ़ने का फल प्राप्त होता है- कौशिक महाराज

गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला के सहायतार्थ पुराण मनीषी श्री कौशिक जी महाराज ने चतुर्थ दिवस में श्रद्धालुओं को कराया शिव महापुराण कथा का रसपान

मैनपुरी। शहर के देवी रोड स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में आयोजित गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला के सहायतार्थ आयोजित शिव महापुराण कथा का छठवें दिवस पुराण मनीषी पूज्य श्री कौशिक जी महाराज के पावन सानिध्य में कथा परीक्षित डॉक्टर कौशलेंद्र दीक्षित व उनकी धर्मपत्नी शुभा दीक्षित एवं यजमान पीयूष चतुवेर्दी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती विभा चतुवेर्दी ने मंत्रोच्चारण के बीच भगवान की पूजा अर्चना की। पुराण मनीषी पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने भगवान महादेव की महिमा का बखान करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि का पावन पर्व भगवान शिव की कृपा पाने का पर्व है, इस दिन भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों पर जल्द प्रसन्न होते हैं उन पर सदैव अपनी कृपा बनाए रखते हैं। ओम नमः शिवाय का जप जो भी करता है उसे चारों वेद पढ़ने का फल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि गंगा भक्ति और नंदी धर्म में जो शिव धारण किए हुए है। उन्होंने कहा कि हजार काम करने से पहले स्नान, लाख काम छोड़कर दान, करोड़ काम छोड़कर भगवान का नाम जाप अवश्य करना चाहिए। कौशिक जी महाराज ने सती खंड की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि जो संपूर्ण दुर्गति का नाश कर दे उसका ही नाम दुर्गा है माता सती दुर्गा का रूप है। महाराज श्री ने कहा की संगत और पंगत का हमेशा ध्यान रखो परिवार में सभी की संगत और साथ पंगत भी होनी चाहिए। उन्होंने सती खंड की कथा सुनते हुए कहा कि बिना बुलाए किसी यज्ञ व आयोजन में नहीं जाना चाहिए। कथा के दौरान कौशिक जी महाराज के भजनों पर श्रद्धालू भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आए। कथा के विश्राम पर परीक्षित डॉक्टर कौशलेंद्र दीक्षित व उनकी धर्मपत्नी शुभा दीक्षित, यजमान पीयूष चतुवेर्दी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती विभा चतुवेर्दी, जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह, एसपी गणेश शाह, पर पुलिस अधीक्षक राहुल मिठास, भाजपा जिला अध्यक्ष राहुल चतुवेर्दी, चेयरमैन संगीता गुप्ता, प्रतिनिधि आलोक गुप्ता, पूर्व विधायक अशोक चौहान डॉक्टर सुमंत गुप्ता, कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ संजीव मिश्रा वैद्य जी, पंडित रामदेव शास्त्री, विमल पांडेय, आयोजन समिति के सचिव संदीप चतुवेर्दी आदि ने भगवान शिव की आरती की। कथा का संचालन पंडित रामदेव शास्त्री ने किया।

कथा में सुमंत गुप्ता, डॉ राम मोहन,सुरेश बंसल,पप्पू गुप्ता, प्रशांत मिश्रा, मीडिया प्रभारी आकाश तिवारी,संजय गुप्ता, रजत गुप्ता,अंशु दुबे, महेश चौहान,दीपक चौहान,शिवानी दुबे, के के मिश्र,साधना तिवारी,साधना गुप्ता,कोमल शाक्य,अमृता चौहान, संजय टायसन, गोपाल कुलश्रेष्ठ, राजीव मिश्रा,पूनम राठौर , दीपक चौहान, राजेश भदौरिया, पंकज पाठक, शालिनी दुबे, एस के दुबे,पंकज गुप्ता, उमेश चौहान आदि आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

मकान कब्जाने वाले बीडीओ परिवार सहित गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। शहर कोतवाली की राधिका विहार कॉलोनी में मकान कब्जाने के आरोपी इटावा के बसरेहर विकासखंड के बीडीओ, उसकी पत्नी और पुत्र को पुलिस ने मंगलवार को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बुधवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया। यहां से जेल भेज दिया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवपाल सिंह पुंडीर ने बताया कि राधिका विहार निवासी मधु खंडेलवाल ने ढाई करोड़ रुपये के मकान कब्जाने के आरोप में इटावा के बसरेहर विकासखंड में तैनात बीडीओ भूदेव लवानियां, उनकी पत्नी मंजू और पुत्र यश के खिलाफ 2024 में मुकदमा दर्ज कराया था। मधु ने रिपोर्ट में बताया कि उनके पति बीमार रहते हैं। इसलिए वह अपनी बेटी के साथ मुंबई में रहती हैं।

उन्होंने बताया कि राधिका विहार स्थित मकान का एक हिस्सा उन्होंने बीडीओ को किराए पर दे दिया। कुछ दिन बाद जब लौटीं तो पता चला कि बीडीओ और उनके परिवार ने पूरे मकान पर कब्जा कर लिया है। इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की। मारपीट में बीडीओ और उनके पुत्र यश ने की। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस 15 फरवरी को इटावा, बसरेहर विकासखंड के बीडीओ को हिरासत में लेकर कोतवाली आई। यहां उन्होंने बताया कि मधु खंडेलवाल के साथ उनका एग्रीमेंट हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने मकान को ठीक कराने में धनराशि खर्च की है।

पुलिस ने उन्हें एग्रीमेंट और मकान पर खर्च किए धनराशि के सबूत देने के लिए 15 दिन का समय देकर छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस उनसे लगातार संपर्क करने में लगी रही, लेकिन वह पुलिस के समक्ष नहीं आए। कोतवाली पुलिस की एक टीम इटावा गई और बीडीओ को गिरफ्तार करके ले आई। जबकि बीडीओ की पत्नी और पुत्र को राधिका विहार से गिरफ्तार किया।

ब्रजवासियों में छिपा कलाकार खोजेंगे फिल्म निर्देशक रमेश सिप्पी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। शोले फिल्म के निर्देशक रमेश सिप्पी अब ब्रजवासियों में छिपी अभिनय की प्रतिभा तलाशेंगे। सांसद और अभिनेत्री हेमामालिनी के आमंत्रण पर वे बुधवार को मथुरा पहुंचे। बृहस्पतिवार से वे गीता शोध संस्थान वृंदावन में अपनी आने वाली फिल्म के लिए ऑडिशन करेंगे। यह दो से तीन दिन चलेगा। साथ ही फिल्म की शूटिंग के लिए भी ब्रज में स्थान की तलाश करेंगे। उन्होंने बताया कि अगर प्रतिभाएं मिलती हैं तो वे उन्हें अपनी फिल्म में जरूर शामिल करेंगे। वृंदावन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए रमेश सिप्पी ने कहा कि सांसद हेमामालिनी को तीसरी बार ब्रज के लोगों ने अपना सांसद चुना है। वे उन्हें बधाई देने के लिए आए हैं। साथ ही अपनी आनी वाली फिल्म में ब्रज के स्थलों के साथ ही ब्रज की प्रतिभाओं को शामिल करने का भी प्रयास करेंगे। इसके लिए वे ऑडिशन के माध्यम से ब्रज के कलाकारों का चयन करेंगे। फिल्म निर्देशक रमेश सिप्पी ने बताया कि वे अपनी आने वाली फिल्म के लेखक के साथ ही अन्य टीम को भी साथ लाए हैं। वे ब्रज में फिल्म की शूटिंग के लिए स्थल की तलाश करेंगे। अगर कोई स्थल बहुत पसंद आता है तो इस फिल्म की शूटिंग भी मथुरा में जरूर होगी। सांसद और अभिनेत्री हेमामालिनी ने बताया कि उन्होंने ब्रजवासियों में अभिनय की प्रतिभा देखी है। इसीलिए उन्होंने रमेश सिप्पी को मथुरा आने का आमंत्रण दिया था। मुंबई में ब्रज के कई कलाकारों ने फिल्मों में अभिनय के लिए उनसे संपर्क किया।

उन सभी कलाकारों को भी रमेश सिप्पी द्वारा आयोजित ऑडिशन में प्रतिभाग करने के लिए बुलाया गया है। ब्रज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना मेरा उद्देश्य है। वृंदावन। निर्देशक रमेश सिप्पी ने फिल्म के लिए ब्रज के कलाकारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले दिन गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में ऑडिशन पंजीयन के लिए 70 से अधिक कलाकार पहुंचे। इन सभी कलाकारों का 27 फरवरी को ऑडिशन होगा। इस मौके पर कान्हा अकादमी के अध्यक्ष डॉ. अनूप शर्मा व गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार मौजूद रहे।

नानाजी की पुण्यतिथि पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चित्रकूट पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

नानाजी के विचारों और जीवन का प्रभाव युगों तक रहेगा - गृहमंत्री

एनपीटी ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः भारत रत्न नानाजी देशमुख की 15 वीं पुण्यतिथि पर दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा दीनदयाल परिसर चित्रकूट में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, संत मोरारी बापू, सैनाचार्य स्वामी अचलानंदाचार्य महाराज जोधपुर, राजेंद्र शुक्ल उपमुख्यमंत्री मध्य प्रदेश, सांसद एवं भाजपा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रतिमा बागरी नगरीय विकास राज्य मंत्री मध्यप्रदेश, गणेश सिंह सासंद सतना, निखिल मुण्डले कार्यकारी अध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान, अतुल जैन प्रधान सचिव दीनदयाल शोध संस्थान प्रमुख रूप से मंचासीन रहे। इस दौरान प्रख्यात मानस मर्मज्ञ संत मोरारी बापू एवं अमित शाह द्वारा रिमोट दबाकर नवीनीकृत रामदर्शन का लोकार्पण एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर राम दर्शन के आर्किटेक्ट पुनीत सोहेल और मूर्तिकार पिलानी के नरेश कुमावत और अशोक सोनकुसरे को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह ने नानाजी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके व्यक्तित्व एवं

कृतित्व को याद करते हुए कहा कि नानाजी देशमुख ने अपने सतायु जीवन में अपने जीवन का हर क्षण और शरीर का हर कण देश की सेवा को समर्पित किया। उनके जीवन दर्शन और कार्यों का प्रभाव युगों-युगों तक रहेगा। नानाजी देशमुख राजनीति के क्षेत्र में रहकर अजातशत्रु थे। उन्होंने राजनीति में रहकर भी कला, साहित्य और समाजसेवा से लगातार सरोकार बनाये रखा। नानाजी ने अपने जीवन में जो उपलब्धियां हासिल की, उसे एक जीवन में प्राप्त करना बहुत ही कठिन है। कुछ लोगों के जीवन ऐसे होते हैं जो युग को परिवर्तनकारी बनाने का काम करते हैं उनमें से नानाजी एक है। नानाजी देशमुख जैसे महान व्यक्तित्व का जीवन युगों तक असर छोड़ता है, नाना जी ने जब राजनीति छोड़ी तो ग्रामोत्थान के लिए अंत्योदय के मार्ग को चुनकर एकात्म दर्शन के व्यावहारिक रूप में धरातल पर उतारने का काम किया। भारत के हर एक गरीब को मूलभूत सुविधाओं के साथ गांव को गोकुल गांव बनाने की दिशा में काम हो रहा है, इसका सबसे पहला चिंतन, मनन, क्रियान्वयन अगर किसी ने किया था वह नानाजी ने किया था। मैं भी दीनदयाल शोध संस्थान से मासिक पत्रिका मंथन के माध्यम से जुड़ा रहा हूं। भारतीयता को बरकरार रखते हुए बसुधैव कुटुंबकम के विचार को संपूर्ण विश्व में कैसे प्रसारित किया जाए कई सारी बातों को मंथन के माध्यम से रखने का काम किया। शाह ने कहा कि नाना जी के जीवन एवं शरीर का एक-एक कण राष्ट्र को समर्पित रहा है। नाना जी के कार्यों का असर राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। राजनीति में रहने के बाद भी नाना जी का व्यक्तित्व सर्व स्वीकृति वाला रहा है, जबकि सामान्य रूप से ऐसा कम ही देखने को मिलता है।

भाईयों में समझौता होते समय पड़ौसियों ने कर दी मारपीट

पीड़ित परिवार ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर उठायी कार्यवाही की मांग

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर थाना सौजना क्षेत्रांतर्गत ग्राम खिरिया भारन्जू में रहने वाले अमर लाल, कृष्ण कुमार पुत्रगण अनन्दीलाल ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र भेजा है। बताया कि विगत 24 फरवरी को रात करीब 10 बजे वह परिवार समेत घर पर था। जहां दोनों भाईयों में वातावरण को लेकर समझौता हो रहा था। तभी पड़ौस में रहने वाले विशाल, विशेष पुत्रगण राजेश, राजेश व चक्रेश पुत्रगण गोरेलाल एकराय होकर आये और पुरानी रंजिश को लेकर घर का दरवाजा तोड़ते हुये घुस आये। आरोप है कि उक्त लोगों ने गालियां देते हुये लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी। शोरगुल सुनकर बचाने आयी घर की महिलाओं में रुकमणि, राजकुमारी, बेटीबाई ने बीच-बचाव किया तो उनके साथ भी मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने बताया कि उक्त लोग पहले भी उनके साथ मारपीट कर चुके हैं। मामले की सूचना थाना सौजना पुलिस को दी गयी, लेकिन कार्यवाही न होने से उक्त लोगों के हौंसले काफी बुलंद हैं। अब पीडित ने जिलाधिकारी से मामले की जांच करायी जाकर कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है।

संक्षिप्त समाचार

खेत पर गये किसान की संदिग्ध अवस्था में मौत

ललितपुर थाना सौजना के ग्राम कोरवास में खेत पर फसल में पानी देने गये किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी, पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। ग्राम कोरवास निवासी राघवेन्द्र पुत्र गोविन्द सिंह उम्र 42 वर्ष के भाई अभय ने बताया कि बीते मंगलवार की रात्रि राघवेन्द्र गेंहू की फसल में पानी देने की बात कहकर घर से गया था। बुधवार सुबह खेत के पास से गुजर रहे ग्रामीणों ने उसे अचेत अवस्था में पड़ा देख परिजनों को सूचना दी। परिजनों द्वारा किसान को उपचार के लिये आनन-फानन में महरौनी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने अज्ञात कारणों के चलते मौत हो जाने की बात कही है। मृतक करीब दस एकड़ जमीन पर खेती किसानी कर परिवार का भरण पोषण करता था। वह तीन भाई व एक बहन में दूसरे नम्बर का था, मृतक के तीन पुत्र है।

बाइक अनियंत्रित होकर खम्मे से टकराई, एक की मौत, दो घायल

ललितपुर। महरौनी के ग्राम कुंआघोषी के पास बाइक अनियंत्रित होकर खम्मे से जा टकराई इस दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गयी, तो वहीं दो युवक घायल हो गये। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। थाना मड़ावरा के ग्राम चौका निवासी रानू सेन पुत्र जयराम सेन उम्र 24 वर्ष अपने साथी रोहित पुत्र रामकुमार उम्र 19 वर्ष व भागचंद पुत्र उत्तम उम्र 18 वर्ष के साथ बीते मंगलवार की रात्रि बाइक से मुख्यालय आ रहा था। तभी ग्राम कुंआधोषी के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर खम्मे से जाकर टकरा गयी, इस दुर्घटना में बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गये, घायलों महरौनी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने रानू को मृत घोषित कर दिया। तो वही दो अन्य घायलों को मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिये भर्ती कर लिया गया है। मृतक दो भाईयों में बड़ा था। उसका एक पुत्र है।

चार व्यक्तियों ने ग्रामीण को पीटा

ललितपुर । थाना बानपुर के ग्राम मौगान निवासी हल्के पुत्र जालम अहिरवार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 24 फरवरी को वह गांव में था। तभी गांव का प्रभु रघुआ अपने तीन अन्य साथियों के साथ आकर गाली गलौज करने लगा, मना करने पर आरोपित मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मारपीट कर धमकी देने के आरोप

ललितपुर। महरौनी के ग्राम सिंदवाहा निवासी प्रतिपाल सिंह ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर गांव में रहने वाले झगडू पुत्र कंजू सहित दो नामजद आरोपितों पर गाली गलौज करने से मना करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज कराया है।

महिला व उसकी सास के साथ की मारपीट

ललितपुर थाना पाली के ग्राम निवाई निवासी पुष्पा पत्नी हनुमत ने बताया कि 25 फरवरी को गांव में स्थित कल्यानशाह बाबा के पास सास के साथ मौजूद थी। तभी गांव में रहने वाला रामचरन पुत्र प्यारेलाल दो अन्य साथियों के साथ आकर गाली गलौज करने लगा, विरोध करने पर आरोपित मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने लगे। पुलिस ने नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

दो व्यक्तियों ने महिला को पीटा

ललितपुर थाना सौजना के ग्राम बगरूआ निवासी राजाबेटी पत्नी हरनारायण यादव ने पुलिस को बीते मंगलवार को वह गांव में थी। इसी दौरान गांव रामकरन पुत्र हल्काई अपने एक साथी के साथ आया और गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। आस-पास से लोगो को आता देख आरोपित जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मारपीट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया हैं।

नाबालिग के साथ दुराचार करने के मामले में पूर्व प्रधान को 10 साल की कैद

चित्रकूट ब्यूरोः नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में दोष सिद्ध होने पर विशेष न्यायाधीश ने पूर्व प्रधान को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 22,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

विशेष लोक अभियोजक तेज प्रताप सिंह ने बताया कि पहाड़ी थाने में बीती 25 नवम्बर 2017 को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी नाबालिग बेटी हैण्डपम्प में पानी भर रही थी। इस दौरान पहाड़ी क्षेत्र के दरसेड़ा गांव के तत्कालीन प्रधान देवशरण यादव उसकी बेटी को ले गया और धमकाकर दुराचार किया। बेटी के विरोध करने पर मारपीट की। साथ ही गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में शिकायत करने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके चलते पीड़ित ने धारा 156 (3) के तहत प्रार्थना पत्र दिया और न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज की थी। साथ ही आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद गुरुवार को पाक्सो एक्ट कोर्ट की स्पेशल जज रेनू मिश्रा ने इस मामले में निर्णय सुनाया। जिसमें दोष सिद्ध होने पर आरोपी पूर्व प्रधान देवशरण यादव को 10 वर्ष कठोर कारावास के साथ 22,000 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

रामायण मेले में कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

चित्रकूट ब्यूरोः सीतापुर में चल रहे 52वें राष्ट्रीय रामायण मेले में हुई रामकथा प्रवचन सभा में बांदा अतर्रा की साध्वी निहारिका ने सत्संग की महिमा पर चर्चा करते हुए कहा कि सत्संग से ही मानव कल्याण होता है। सत्संग दाता संत ही होते हैं। जिन्हे आज के युग में खोजना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि वस्त्र रंग कर पहनने एवं तिलक लगाने से संत की पहचान करना आसान नहीं है। सत्संग और संत की पहचान परहित के कार्य करना और दूसरे के लिए जिसके हृदय में करुणा हो वही वास्तविक संत होता है। संतो के स्वभाव में बताया कि संत हृदय नवनीत समाना। उन्होंने बताया कि सत्संग की महिमा अपरंपार है। भगवान शंकर भी कुम्भज ऋषि के पास गए थे। शंभु गयो कुम्भज ऋषि पाहीं। वहां पहुंचने पर पूजे ऋषि अखिलेश्वर जानी। व्यथा दूर करने के लिए कथा श्रवण करना मानव जीवन के लिए कल्याणकारी है। बताया कि भयंकर क्लेश और क्रोध के समय व्यथा होने पर उसे दूर करने के लिए कथा सुनना चाहिए। हरि और हर को दूसरे का पूरक बताया। उन्होंने कहा कि चित्रकूट के सती अनुसुइया में सीता जी के मिलन समय स्त्री के लिए एक धर्म पति बताया था। सती अनुसुइया ने अपने सतीत्व के बल पर त्रिदेवो को पुत्र बना लिया था। कहा कि भगवान और भगवान की कथा में संदेह और तर्क नहीं करना चाहिए।

बबेरू से आए मानस मर्मज्ञ पं लक्ष्मी प्रसाद शर्मा ने राम नाम की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान शिव के परिवार को देखा जाए तो मां पार्वती का वाहन सिंह, शिव का वाहन बैल, गणेश का वाहन मूस और शिव के गले में सर्प, कार्तिकेय का वाहन मयूर है। जबकि इन सभी की जन्मजात दुश्मनी होती है। भगवान शिव दिन रात राम नाम का जाप करते हैं। तुम पुनि राम-राम दिन राती, सादर जपहु अनंग अराति। राम नाम के प्रभाव के कारण सभी प्रेम से रहते हैं। तनिक भी उनके अंदर वैर भाव दिखाई नहीं देता है। इसलिए राम नाम को जीवन में धारण करके जीवन को कृतार्थ करते हुए जीवन को धन्य बनाएं।

छिंदवाड़ा से आए सीतारामशरण रामायणी ने जयंत की कथा का मार्मिक ढंग से विवेचन किया। बताया कि संत और संता में फर्क है। जैसे संत हृदय नवनीत समाना यह संत की पहचान है। नारद जी संता की कोटि में आते हैं जो कोमल हृदय होते हुए ही समस्या का समाधान करते हैं। नारद देखा विकल जयंता दया लाग कोमल चितु संता। अर्थात नारद को दया आई और उन्होंने रास्ता बताया कि तुम राम की शरण में जाओ। राम जी ने एक नैन कर तजा भवानी। प्रभु छाडेउ छल क्षोह, यद्यपि तेहि कर वध उचित। भगवान राम ने इस प्रकार एक आंख फोड करके उसे छोड दिया। रामकथा वक्ताओं में श्रीलाल पचैरी ग्वालियर, जयपुर की सरोज गुप्ता ने अपने प्रवचन में अनेक प्रसंग सुनाए। मध्यान्ह सत्र का संचालन कर्वी के वरिष्ठ कवि डा रामलाल द्विवेदी प्राणेश ने करते हुए रामायण पर सारगर्भित व्याख्या की। इस मौके पर शिवमंगल शास्त्री, डा घनश्याम अवस्थी, प्रद्युम्न दुबे लालू, राजाबाबू पांडेय, राजेन्द्र मोहन त्रिपाठी, आशीष पांडेय, मो यूसुफ, कलीमुद्दीन बेग, हेमंत मिश्रा, मनोज मोहन गर्ग, ज्ञानचन्द्र गुप्ता, राम प्रकाश श्रीवास्तव, डा रमाकांत चैरिहा, मो इम्त्याज उर्फ लाला,, विनोद पांडेय, भोलानाथ, विकास, दद्दू महराज आदि मौजूद रहे।

रामायण मेले के दूसरे दिन विद्वत सभा को संबोधित करते हुए रांची विश्व विद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डा जंगबहादुर पांडेय ने कहा कि रामकथा संसार की व्यथा को दूर करने वाली है। ह्यराम कथा सुन्दर करकारी, संशय विहग उड़ावनहारी। रामकथा सुमति को प्रदान कर कुमति का नाश करती है।

परेशानी : गांवों में मजाक बनकर रह गया प्रधानमंत्री का स्वच्छ भारत अभियान

रनगांव के मुख्य मार्ग पर फैली गंदगी और नालियों का पानी

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर मड़ावरा ब्लॉक मड़ावरा पास के गांव रनगाँव में इन दिनों गंदगी का अंबार लगा हुआ है। पूरे गांव में गंदगी व कीचड़ और चौक नालियों का पानी रोड पर बहने से लोगों को खासी परेशानी उठाना पड़ रही है। मुख्य रोड पर पानी सड़क पर बहने से कीचड़ हो गया। इस कीचड़ से लोगों को निकलना पड़ रहा है। जिससे आसपास के राहगीरों को गंदे पानी वह कीचड़ से काफी दिक्कतें होती हैं। गंदगी के कारण आए दिन लोग बीमार होते रहते हैं। एक ठीक होता है तो दूसरा बीमार हो जाता है। ग्रामीण परेशान हो चुके हैं। कई बार सचिव को बताने के बाद भी सफाई नहीं करवाई जाती है। उल्टे ग्रामीणों से कहते है कि गंदगी कहां है, इतनी गंदगी से क्या फर्क पड़ता है। गाँव के प्रधान को भी बताया, लेकिन न तो प्रधान ओर न ही सचिव इस तरफ ध्यान दे हैं। कस्बा निवासी माखन कुशवाहा ने कहा कि कई बार शिकायत की जा चुकी है, मगर कोई ध्यान नहीं दिए जाने से मेहमानों को भी गंदगी देख कर हैरानी होती है कि सरकार की स्वच्छतामिशन का किस तरह मजाक बनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के दूसरे दिवस में चला स्वच्छता अभियान

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। सुदर्शन डिग्री कॉलेज बासी के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के दूसरे दिन ग्राम असऊपुरा में स्वच्छता अभियान की रैली निकालकर ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया। रैली के दौरान स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, जन जन ने यह ठाना है स्वच्छता अपनाना है। आदि स्लोगन कहै। तत्पश्चात श्री हनुमान जी मंदिर तालाब के पास पहुंचकर पूरे मंदिर परिसर की साफ-सफाई की ! भोजन उपरांत मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान की एक संगोष्ठी की गई। जिसमें प्राचार्य डॉ.सोनू श्रीवास्तव ने कहा कि 2 अक्टूबर 2014 से स्वच्छता जागरूकता अभियान की शुरूआत तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर के गुई। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत को लेकर जन-जन में जागरुकता अभियान चलाया! हम सब को भी अपने आसपास साफ सफाई प्रतिदिन करना चाहिए! अंत में स्वच्छता की शपथ दिलाई। सुंदर कुशवाहा असिस्टेंट प्रोफे. ने कहा कि गंदगी से बहुत बीमारियां फैलती हैं जैसे है हैजा आदि। हमें निमित्त एक घंटे अवश्य साफ-सफाई करना चाहिए।

हमें शारिक मानसिक रुप से भी स्वक्छ रहना चाहिए। इस अवसर पर सुंदर कुशवाहा, मुकेश, निककी, सरोज कुशवाहा, अंजलि साहू अर्चना प्रजापति, समीक्षा यादव मुस्कान यादव, सौम्या, राजा, अनुष्का ,रश्मि, शिवानी, वंदना ,स्नेहा आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई अधिकारी नरेंद्र सिंह बुंदेला ने संगोष्ठी का संचालन किया।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी, हजारों रुपए हड़पे

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर/मड़ावरा ।जनपद ललितपुर में ठगी के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे है जगह जगह ठगों ने डेरा जमा रखा है ऐसा ही मामला जनपद ललितपुर के तहसील मड़ावरा का है जहां एक व्यक्ति ने लोन दिलाने के नाम पर हजारों रुपए हड़प लिए हैं।कस्बा मड़ावरा निवासी पवन एवं सत्येंद्र ने मड़ावरा पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि आकाश बुधौलिया उर्फ अंशुल निवासी ललितपुर को 88800 रुपए लोन दिलाने के नाम पर दिए थे काफी समय बीत जाने के बाद जब लोन नहीं हुआ तो पीड़ित ने अपने लिए पैसे बापिस मांगे तो दबंग युवक अपने आप को आर्मी ऑफिसर बताकर धमकी देकर डराने लगा पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि उसने वह पैसे कुछ नगद एवं कुछ फोन पे के माध्यम से दिए थे जिसके पास गवाह भी है।

शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग

पीड़ित व्यक्तियों ने मड़ावरा पुलिस को शिकायती पत्र देकर उक्त जालसाज करने वाले युवक पर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है उन्होंने बताया कि उक्त युवक ललितपुर का निवासी है जो मंजरी फाउंडेशन सहेली दाल यूनिट मड़ावरा पर कार्य करता है जो लोगों को लोन दिलाने का झांसा देकर पैसे ले लेता है और बाद में न लोन मिलता है न ही पैसे बापिस।

धूम धाम से निकाली गई बम भोले की बारात

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर बार - महाशिवरात्रि के पर्व पर सुबह से ही मंदिरों में भीड़ लगी रही क्योकि आज सोमवार भी था जो आदिनाथ भगवान का दिन भी माना जाता है। सुबह से ही मंदिरों में भगवान शंकर के अभिषेक कार्यक्रम, शिवार्चन एवं अनुष्ठान व मंदिरों में कन्याभोज एवं प्रसाद वितरण का आयोजन चलता रहा। फिर प्रत्येक वर्ष की भांति भगवान भोले नाथ की बारात की शोभा यात्रा भोलेनाथ के प्राचीन नवग्रह के मंदिर से होकर कस्बे के प्रमुख चौराहो से होकर ढोल नगाड़ो के साथ निकाली गई । शिव जी की बारात में बाराती भी थे जो अलग -अलग रूपो में सजे थे । वे महाकाल की बारात की शोभायात्रा में चार चांद लगाकर सुशोभित कर रहे थे

।भोलेनाथ की बारात का जगह जगह शिव भक्तो द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। ग्रामीणों ने भी भोलेनाथ की आरती उतारते हुये भोग लगाये गये।

भगवान भोलेनाथ की बारात का नरसिंह मंदिर में स्वागत हुआ फिर शिव विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । शोभायात्रा के दौरान प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस वल सहित भारी संख्या में भगवान भोलेनाथ के भक्त शामिल रहे।

क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस मनाया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं सूरजगढ। भारतीय जीवन बीमा निगम के कार्यालय बुहाना रोड़ सूरजगढ़ में क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर बाबूलाल बड़गुजर की अध्यक्षता में मनाया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन संघर्ष को याद किया। आदर्श समाज समिति इंडिया के अध्यक्ष धर्मपाल गाँधी व सुदेश खरड़िया ने उनके जीवन पर प्रकाश

डालते हुए स्वाधीनता आंदोलन के दौरान उनके द्वारा अंजाम दी गई क्रांतिकारी घटनाओं के बारे में बताया। इस मौके पर राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर के अधिवक्ता जयप्रकाश बुलानिया को धर्मपाल गाँधी द्वारा लिखित पुस्तक आजादी के दीवाने भेंट की गई। योगाचार्य डा. प्रीतम सिहं खुगांई ने उनसे देशभक्ति की प्रेरणा लेने का आह्वान किया तथा उनके पदचिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित किया। वीर तेजाजी विकास संस्थान के अध्यक्ष जगदेव सिंह खरड़िया ने कहा कि यह तो सब चाहते हैं कि देश में आजाद व भगतसिंह जैसे देशभक्त पैदा हों, पर दूसरे के घर में पैदा हों। आज फिर से देश को भगत सिंह और चंद्रशेखर जैसे क्रांतिकारियों की आवश्यकता है। इस अवसर पर ज्योति सोलंकी, योगाचार्या सुदेश खरड़िया, एडवोकेट जयप्रकाश बुलानिया, रामनिवास ख्यालिया, महेंद्र सिंह बरवड़, पुष्पेन्द्र यादव राजकुमार भालोठिया आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का किया आयोजन

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी! राजकीय नर्सिंग कॉलेज बूंदी में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एक वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन यहां के महिला विद्यार्थियों के लिए किया गया . शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक के जयपुर कार्यालय से आई हुई मृदुला महेश्वरी ,सहायक महाप्रबंधक ने बताया की आरबीआई 24 फरवरी से 28 फरवरी तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह पूरे देश में पूरे जोर-शोर से सभी बैंकों वित्तीय संस्थाओं एवं संबंधित मशीनरी को साथ लेकर पूरी सक्रियता से जन-जन के बीच वित्तीय जागरूकता का प्रसार कर रहा है . इस बार यह देश की महिलाओं को समर्पित है इस अभियान का थीम वित्तीय समझदारी समृद्ध नारी रखा गया है जिसके तहत महिलाओं को चाहे वह ग्रहणी हो कामकाजी हो या उद्यमी हो सबके लिए है. वित्तीय प्रबंधन अच्छे तरीके से किया जाए तो महिलाएं और सशक्त और आत्मनिर्भर होंगी. योजना एवं बजट बनाकर अपनी आय को प्राथमिकताओं के अनुरूप जरूरी एवं इच्छाओं में फर्क करके खर्च करना चाहिए , इनकम मैं से नियमित रूप से वाजिब हिस्सा बचत का भी रखें ताकि भविष्य में आने वाली हमारे आवश्यकताओं की पूर्ति हम सरलता से कर सकें. बचत की राशि को केवल बैंकों या विश्वसनीय तथा सरकार द्वारा मान्यता

प्राप्त संस्थानों में ही निवेश करें . निवेश की राशि की उपलब्धता एवं समय को ध्यान में रखकर हम इसे अलग-अलग मदों में निवेश करके अधिक आय एवं कम जोखिम का ख्याल रखकर निवेश कर सकते हैं. विभिन्न प्रकार के निवेश अवसरों के बारे में भी विस्तार से बताया गया. इस अवसर पर क्रेडिट अनुशासन के बारे में भी विशेष चर्चा की गई जिसमें सलाह दी गई की लोन सोच समझ कर आवश्यकता होने पर केवल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित रजिस्टर्ड वित्तीय संस्थाओं से ही शर्तें आदि समझकर प्राप्त करें तथा लिए गए लोन का सदुपयोग उसी उद्देश्य से करें

नियमित रूप से लोन पूरे अनुशासन से अदा करें ताकि आपका क्रेडिट हिस्ट्री उक्दकछ अच्छी बनी रहे. उक्दकछ के महत्व को समझाते हुए उन्होंने बताया की अगर यह खराब होती है तो कोई भी वित्तीय संस्था आपको लोन देने से मना कर सकती है, वित्तीय लेनदेन में डिजिटल को अपनाने की सलाह देते हुए कहा की नकदी को हतोत्साहित करें एवं प्रयास करें की हर पेमेंट डिजिटल हो. डिजिटल बहुत सहज सरल ,कहीं भी ,कभी भी एवं त्वरित युक्त है.

बीमा से जुड़ी सामाजिक सरोकार की बीमा योजनाएं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा एवं जीवन ज्योति बीमा योजना पर प्रकाश डाला साथ में अटल पेंशन योजना पर भी अवगत कराया. भारतीय रिजर्व बैंक के एकीकृत लोकपाल को आरबीआई रेगुलेटेड संस्थाओं के बारे में कैसे शिकायत करे, प्रणाली को समझाया

साइबर धोखाधड़ी से सचेत एवं सावधान रहने एवं सुरक्षा के उपायों पर भी संवाद किया . साइबर क्राइम के विरुद्ध हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में समझाया गया. कार्यक्रम मैं वित्तीय साक्षरता के विषय पर आरबीआई द्वारा संप्रेषित वीडियो भी दिखाए गए कार्यक्रम में पीएमओ डॉक्टर प्रभाकर विजय, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य ज्योति, अग्रणी जिला प्रबंधक राजू गुप्ता एवं वित्तीय साक्षरता सलाहकार डीपी काबरा उपस्थित रहे.

जिले को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के लिए निक्षय मित्रों के साथ ही आमजन का भी लें सहयोग- जिला कलक्टर

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान को लेकर जिला स्तरीय स्टेकहॉल्डर्स कार्यशाला हुई सम्पन्न

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी, 27 फरवरी। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अन्तर्गत जिला स्तरीय स्टेकहॉल्डर्स कार्यशाला गुरूवार को जिला कलक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें अभियान के सफल क्रियान्वयन और आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए अभियान के तहत हो रहे सर्वे कार्य को सावधानीपूर्वक कराया जाए। कोई भी संभावित रोगी सर्वे से वंचित नहीं रहे। टीबी स्क्रीनिंग के लिए सीबीनॉट मशीन का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो और प्रभावी मोनिटरिंग की जावें। टीबी मरीजों को निक्षय पोषण योजना का लाभ मिले और निक्षय मित्र बनाने में जनप्रतिनिधियों के सहयोग के अलावा आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से 24 मार्च विश्व टीबी दिवस तक खास अभियान चलाकर टीबी मुक्त दिशा में काम किया जा रहा है। इसके लिए चिकित्सा विभाग द्वारा प्रदत्त टीबी सेम्पल संग्रहण लक्ष्यों की शत प्रतिशत प्राप्ति की जाए। केशवरायपाटन ब्लॉक में एएनएम व आशा

सहयोगिनियों के माध्यम से संभावित मरीजों के सेंपल लेकर उपचार शुरू करवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएचसी, पीएचसी में इलाज के लिए आने वाले खांसी के रोगियों के सेम्पल आवश्यक रूप से लिए जाए।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य टीबी रोग (क्षय रोग) उन्मूलन को गति देना, समुदाय में टीबी की समय पर पहचान, उपचार एवं रोकथाम को मजबूत करना है। शिक्षा विभाग आगामी 3 से 5 मार्च तक विद्यालयों में जागरूकता रैली व भाषण प्रतियोगिता आयोजित करवाए। साथ ही आगामी माह में आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में भी टीबी रोग के प्रति लोगो को जागरूक किया जावें।

उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं को क्षय रोग लक्षणों के प्रति जागरूक करें। इसके अलावा टीबी के प्रति आमजन को आईईसी गतिविधियों के जरिए जागरूक बनाने का कार्य किया जाए। साथ ही टीबी मरीजों की अधिकाधिक सैंपलिंग करवाई जाए।

कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी सामर ने बताया कि अभियान के तहत जिले की 91 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें हिण्डोली की 21, तालेड़ा की 16, नैनवां की 16, बून्दी की 15, कापरेन क्षेत्र की 23 ग्राम पंचायत शामिल है, जिन्हे टीबी मुक्त बनाया जाएगा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. कुलदीप मीना ने अभियान अन्तर्गत जिला एवं ब्लॉक स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए अभियान के 6 प्रमुख मानकों के बारे में विस्तार से बताया।

बैठक में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. महावीर कुमार शर्मा, जिला परिषद के अधिशाषी अभियंता प्रियव्रत सिंह, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.कमलेश शर्मा, जिला प्रोग्राम मैनेजर राहुल माथुर, जिला कार्यक्रम समन्वयक धीरेंद्र सिंह, पीपीएम कोर्डिनेटर शैलेंद्र भारद्वाज, पीएमडीटी कॉर्डिनेटर विशाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य रात्रि जागरण हुआ

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी! महाशिवरात्रि के अवसर पर भवानी शंकर महादेव के रात्रि जागरण हुआ, चारों पहर पर आरती उतारी, अभिषेक किया। श्री वीरभद्र रामलीला कीर्तन मंडल के प्रवक्ता पुरुषोत्तम पारीक ने बताया की वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी तिलक चौक स्थित श्री भवानी शंकर महादेव के मंदिर पर पंडित सीताराम शर्मा द्वारा प्रतिमाओं को पंचामृत स्नान करवाया, अभिषेक किया, पुष्पों व पुष्पमालाओं द्वारा श्रृंगार किया गया तथा आरती उतार कर आरतियां गाई प्रसिद्ध गायक कलाकार सुरेंद्र सिंह, भगवान सिंह, नारायण सोनी ने रात्रि भर महादेव सहित सभी देवी देवताओं के भजनगाए इनके साथ अशोक कश्यप, कौशव सोनी, मोहन रजक, चिराग श्रृंगी, ओम प्रकाश कुशवाहा सुरेंद्र नामा आदि ने बाजा, ढोलक, मजीरो की थाप पर रात्रि जागरण में लोगों को मंत्रमुग्ध रखा, चारों पहर पर आरती उतारी प्रातः आरतियां गाकर प्रसाद वितरित कर रात्रि जागरण का समापन हुआ

कांग्रेस के कर्ज को चुकाकर प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएंगे' सदन में बोलीं दीया कुमारी

जयपुर। दीया कुमारी ने कहा कि भाजपा सरकार बजट में की गई सभी घोषणाओं को तय समय सीमा में पूरा करेगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ₹हमारी सरकार का उद्देश्य समावेशी विकास को सुनिश्चित करना है, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने विधानसभा में बजट पर जवाब देते हुए कहा कि यह बजट ₹सबका साथ, सबका विकास₹ की सोच को साकार करने वाला है। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार पर प्रदेश को कर्ज में डुबाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा सरकार इस कर्ज को चुकाकर राजस्थान को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी।

बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करने का संकल्प

दीया कुमारी ने कहा कि भाजपा सरकार बजट में की गई सभी घोषणाओं को तय समय सीमा में पूरा करेगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ₹हमारी सरकार का उद्देश्य समावेशी विकास को सुनिश्चित करना है, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे।₹

सरकार की प्रमुख घोषणाएं

रोजगार

अब तक 59,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं।

1.73 लाख पदों पर भर्ती

की प्रक्रिया जारी है।

समाज कल्याण

एससी-एसटी और टीएसपी फंड्स को बढ़ाकर 1,750 करोड़ किया गया।

पेयजल एवं सड़क विकास

प्रदेश में पेयजल सुधार के लिए ?330 करोड़ से अधिक के कार्य किए जाएंगे।

1,870 करोड़ की राशि से प्रदेशभर में सड़क विकास के विभिन्न कार्य होंगे।

कृषि एवं पशुपालन

वर्ष 2025-26 के कृषि बजट में 14.67% की वृद्धि।

कोटा में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव।

गलत का साथ देना भी गलत₹ः उपमुख्यमंत्री

अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, ₹सिर्फ गलत करना ही गलत नहीं, बल्कि गलत का साथ देना भी गलत है।₹ उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भ्रष्टाचार, कुशासन और ध्रुवीकरण के चलते राजस्थान कर्ज के बोझ तले दब गया था। भाजपा सरकार अब प्रदेश को इस आर्थिक संकट से निकालने का काम कर रही है।

दीया कुमारी ने भरोसा दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

रीट परीक्षा 2024 के संबंध में प्रशासन की तैयारियां पूर्ण

*जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर 27 व 28 फरवरी को कुल 12267 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

खैरथल-तिजारा, 26 फरवरी' राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा, 2024 (रीट) का आयोजन जिला खैरथल तिजारा के 12 परीक्षा केन्द्रों पर 27 फरवरी 2025 को लेवल-1 (प्रथम पारी) में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक तथा लेवल-2 (द्वितीय पारी) दोपहर 3 बजे से 05.30 बजे तक व 28 फरवरी 2025 लेवल-2 (तृतीय पारी) प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक किया जाना है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने बताया कि जिले में कुल 12 परीक्षा केंद्रों पर रीट परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 12,267 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो दिनों में दो-दो पारियों में आयोजित की जाएगी-27 फरवरी को प्रथम पारी में 3,934 अभ्यर्थी, द्वितीय पारी में 4,107 अभ्यर्थी तथा 28 फरवरी को प्रथम पारी में 4,226 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं परीक्षा समन्वयक शिवपाल जाट ने बताया कि 12 केंद्राधीक्षक,14 उपकेंद्राधीक्षक, 12 पर्यवेक्षक 12 पेपर कोऑर्डिनेटर ,4 फ्लाइंग स्क्वाड परीक्षा सफलतापूर्वक करवाने एवं परीक्षा दौरान किसी भी अनियमितता को रोकने के लिए सतर्क रहेंगे।

एक घंटे पहले बंद हो जाएगा केंद्र पर प्रवेश

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों का प्रवेश एक घंटे पहले बंद कर दिया जाएगा। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में परीक्षा नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सभी सेंटरों पर सरकारी कार्मिक लगाए गए हैं।

एडमिट कार्ड पर होगा क्यूआर कोड

परीक्षा समन्वयक शिवपाल जाट ने बताया कि रीट परीक्षा के एडमिट कार्ड में एक क्यूआर कोड होगा जिसे स्कैन करते ही अभ्यर्थियों के बारे में पूरी जानकारी मिल जाएगी। डमी अभ्यर्थी पर अंकुश लगाने के लिए पहली बार अभ्यर्थियों का फेस रिकग्निशन भी होगा।

ऐसे में एडमिट कार्ड कार्ड में में अभ्यर्थी द्वारा लगाई गई फोटो का सेंटर पर लाइव फोटो से मिलान नहीं हुआ तो अभ्यर्थी की एंट्री नहीं होगी। इसके साथ ही अंगूठे का निशान (फिंगर प्रिंट) भी लिया जाएगा। सभी सेंटरों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे। पेपर सेंटर पर पहुंचने, खोलने और परीक्षा कक्ष तक पहुंचाने की पूरी प्रोसेस की वीडियोग्राफी होगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की सभी अभ्यर्थी परीक्षा शुरू होने से 1 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचे।

खाध सुरक्षा आवेदन की प्रक्रिया जटिल लोग विभागों के लगा रहे है चक्कर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजाराः खाद्य सुरक्षा योजना के तहत नए आवेदन शुरू नहीं हो पा रहे हैं, जिससे सैकड़ों लाभार्थी परेशान हैं। कई कारणों से आवेदन प्रक्रिया बाधित हो रही है, जिसमें राशन कार्ड आधार सीडिंग की नई प्रक्रिया, अब जन आधार से मैंपिग, प्रशासनिक समस्याएं और तकनीकी दिक्कतें शामिल हैं।

आवेदन प्रक्रिया में देरी के कारणराशन कार्ड आधार सीडिंग की बदली प्रक्रिया

पहले राशन डीलर के पास आधार सीडिंग की सुविधा थी, लेकिन अब यह कार्य जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय में होता है। कई लाभार्थियों के लिए कार्यालय बहुत दूर पड़ता है, जिससे आवेदन में देरी हो रही है।

जिला रसद कार्यालय में आधार सीडिंग के लिए भारी भीड़

अब सभी लाभार्थियों को जिला रसद कार्यालय जाकर आधार सीडिंग करानी होती है क्योंकि राशनकार्ड पुराने बने हुए है और अधिकत्तर राशनकार्डो मे सभी सदस्यों की आधार सिंडिग नही है जिससे ऑफिस में भारी भीड़ हो रही है। आवेदन करने वाले घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद काम नहीं करवा पा रहे हैं।पड़ताल मे लोगों ने बताया तीन चार दिन चक्कर लगाने पर भी काम नही हो पा रहा कार्यालय मे प्रार्थना पत्रों का ढेऱ है सरकार को शिविर लगा कर एक जगह ही सभी काम करने चाहिए।

आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अपडेट ना होना भी समस्या

कई लाभार्थियों का आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है, जिससे OTP वेरिफिकेशन में परेशानी हो रही है। इस कारण आधार सीडिंग नहीं हो पा रही है और आवेदन प्रक्रिया रुकी हुई है।

अब आंन लाईन आवेदन मे एक नया फीचर जोड़ दिया गया है जन आधार से मैंपिंग का इसके बाद तो आवेदन होना बिल्कुल बंद सा है एक ईमित्र धारक ने बताया जब से जन आधार मैंपिंग को आवेदन प्रक्रिया मे जोड़ा है एक भी आवेदन नही कर पाया हूं प्रक्रिया जटिल हो चुकी है तकनिकी समस्याऐं आ रही है लोग निराश होकर वापस जा रहे है

कुल मिला के खाद्य सुरक्षा योजना के तहत नए आवेदन शुरू नहीं हो पा रहे हैं, जिससे गरीब लोगों को राशन से वंचित होने का खतरा है। सरकार को चाहिए कि आधार सीडिंग की प्रक्रिया को आसान बनाए, राशनकार्ड करेक्शन तुरन्त हो,जन आधार मैंपिंग मे तकनिकी समस्याऐं दूर की जाये आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया जाये .समाजसेवी मेहमूद खां का कहना है सरकार को शिविर लगा कर आवेदन प्रक्रिया शुरू करना चाहिए जिससे एक जगह ही सभी समस्या हल हो सके.

आयोग सदस्या ने महिला उत्पीडन से जुडे प्रकरणों की सुनवाई की

सदस्या के समक्ष आए 21 प्रकरण, अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश, महिलाओं को योजना का लाभ दिलाएं अधिकारी : मनीषा अहलावत

एनपीटी संवाददाता

शामली। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या मनीषा अहलावत ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में महिलाओं से जुडे प्रकरणों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को निस्तारण के कडे निर्देश दिए। आयोग सदस्या ने महिलाओं को सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिलाए जाने के निर्देश दिए।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट में उप्र राज्य महिला आयोग की सदस्या मनीषा अहलावत की अध्यक्षता में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को न्याय दिलाने के उद्देश्य महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। आयोग सदस्या ने महिलाओं से संबंधित समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को उनके जल्द से जल्द से निस्तारण के निर्देश दिए ताकि उन्हें बार-बार चक्कर न काटने पडे। आयोग सदस्या के समक्ष घरेलू हिंसा, प्रोपर्टी, शादी-विवाद, दहेज आदि से संबंधित 21 प्रकरण आए जिन पर सुनवाई करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। मनीषा अहलावत ने कहा कि महिला आयोग का उद्देश्य न्याय के साथ-साथ महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति भी उन्हें जागरूक करना है। उन्होंने अधिकारियों को महिलाओं से संबंधित सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ दिलाया जाने के भी निर्देश दिये। इस अवसर पर एसडीएम न्यायिक, जिला प्रोबेशन अधिकारी हामिद हुसैन, तहसीलदार प्रियंका जायसवाल, महिला थाना प्रभारी निधि चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का किया निरीक्षण

शामली। उप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य मनीषा अहलावत ने जनसुनवाई से पूर्व बनत स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयोग सदस्या ने विद्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर वहां मौजूद बच्चों से बात करते हुए उनको शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और मेहनत व लगने से पढाई करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर एसडीएम न्यायिक हामिद हुसैन, बीएसए लता राठौर, महिला थाना प्रभारी निधि चौधरी, खंड शिक्षा अधिकारी, वन स्टाप केन्द्र प्रभारी गजाला त्यागी, विद्यालय वार्डन आदि भी मौजूद रहे।

जनपद के 4 आपदा मित्रों को डीएम ने किया सम्मानित

डीएम ने विभिन्न आपदाओं के प्रति सदैव तत्पर रहने व दूसरों की मदद के लिए किया प्रेरित

एनपीटी संवाददाता

शामली। 3 से 23 फरवरी तक चले प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले जनपद के चार आपदा मित्रों को डीएम अरविन्द कुमार चौहान ने प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ द्वारा संचालित प्रदेश के 25 जनपदों में युवा आपदा मित्र स्कीम के तहत प्रदेश के 100 आपदा मित्रों को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित कर जागरूक किए जाने के लिए 3 से 23 फरवरी तक प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण में शामली जनपद के चार आपदा मित्रों शरब सिंह, पंकज कुमार, संदीप चौहान व उज्जवल कुमार ने भी भाग लिया था। गुरुवार को डीएम अरविन्द कुमार चौहान ने चारों आपदा मित्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। डीएम ने आपदा मित्रों को विभिन्न आपदाओं के प्रति सदैव तत्पर रहने और दूसरों की सहायता करने के लिए भी प्रेरित किया। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में चयनित आपदा मित्रों को एडीएम संतोष कुमार सिंह ने भी बधाई दी। जिला आपदा विशेषज्ञ नेहा दूबे ने भी चारों आपदा मित्रों को समय-समय पर आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में जनपद द्वारा किए गए कार्यों में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया।

पडौसी पर छींटाकशी व अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया

पीडित महिला ने महिला आयोग सदस्या से की कार्रवाई की मांग

एनपीटी संवाददाता

शामली। शहर के एक मौहल्ला निवासी महिला ने अपने पडौसी पर आए दिन छींटाकशी व अश्लील हरकतें करने के मामले में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करने पर महिला आयोग की सदस्या से पडौसी पर कार्रवाई की गुहार लगायी है। जानकारी के अनुसार शहर के एक मौहल्ला निवासी महिला ने महिला आयोग की सदस्या को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके घर के सामने एक व्यक्ति रहता है जो आए दिन उसके साथ छींटाकशी व छेडछाड करता है जिस कारण वह काफी परेशान हो चुकी है। जब उसने उक्त व्यक्ति की शिकायत आदर्श मंडी थाने पर की तो पुलिस ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जिससे आरोपी के हौसले और बुलंद हो गए। पीडिता ने बताया कि उसका पति मध्यप्रदेश में प्राइवेट नौकरी करता है और वह घर में बच्चों के साथ अकेली रहती है और पुलिस आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के बजाय केवल खानापूर्ति कर रही है। उसने इस संबंध में अपने पति को भी बताया लेकिन आरोपी व्यक्ति ने उसके पति के साथ भी फोन पर धमकी दी तथा पुलिस को उसके खिलाफ ही झूठा प्रार्थना पत्र दे दिया जिस कारण पुलिस उसे भी परेशान कर रही है। पीडिता ने आयोग सदस्या से आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगायी है।

16 वर्षीय दलित किशोरी को अगवा कर जबरन दुष्कर्म

एनपीटी संवाददाता

कांधला। 16 वर्षीय दलित किशोरी को विशेष समुदाये के युवक ने जबरन घर से अगवा कर दुष्कर्म किया। मामले को लेकर दलित समाज के लोगो ने रात्रि में थाने पहुच कर हंगामा करते हुए पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने घटना के संबंध में मामला पंजीकृत करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

मोहल्ला निवासी दलित व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि बीते गुरुवार को अपने परिवार के साथ घर पर सो रहा था। रात्रि में शौच के लिए उठा तो देखा कि उसकी 16 वर्षीय बेटी अस्त व्यस्त हालत में घर पहुचीं, उसने जानकारी देते बताया कि मौहल्ला निवासी युवक जबरन उसे घर उठाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि आरोपी युवक ने किशोरी से कई बार दुष्कर्म किया, और आरोपी युवक ने किशोरी को परिजनों और पुलिस से मामले की शिकायत करने पर हत्या की धमकी दी। पीड़ित पिता पीड़ित किशोरी को लेकर रात्रि के समय थाने पहुच गया और पुलिस से मामले की शिकायत कर कार्यवाही की मांग की। वही मामले को लेकर दलित समाज के लोगो में गहरा रोष फैल गया, दर्जनो की संख्या में समाज के लोगो ने थाने जाकर मामले में कार्यवाही की मांग को लेकर हंगामा किया। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह ने पीड़ित परिवार को मामले में दोषी युवक के विरुद्ध कार्यवाही करने का आश्वासन देकर शांत किया।जिसके बाद सभी लोग थाने से लौट आए। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह का कहना है कि मामला पंजिकृत कर कार्यवाही की जा रही है। किशोरी को डाक्टरी परीक्षण के लिए भेजा गया। मामले में आरोपी युवक रिहान को गिरफ्तार कर लिया गया।

फोटो वायरल करने पर दो युवको के विरुद्ध मामला दर्ज

एनपीटी संवाददाता कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नान्नूपुरी में युवती की आपत्तिजनक फोटो वायरल करने के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव नान्नूपुरी निवासी महिला ने थाने में तहरीर देते हुए बताया था कि गांव के ही हैप्पी पुत्र मोहनलाल व हिमांशु पुत्र मोहनलाल ने पीड़िता महिला पुत्री के अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर डाल दिए। मामले की जानकारी होने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। महिला ने दर्जनो लोगो के साथ थाने जाकर मामले की नामजद लिखित शिकायत कर पुलिस से दोनों आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है।

संक्षेप समाचार :

सेंट आरसी स्कूल में ऋषि बोध उत्सव पर यज्ञ का आयोजन

शामली। ऋषि बोध उत्सव पर आर्य समाज शामली द्वारा आयोजित यज्ञ के पांचवे दिन यज्ञ सेंट आरसी स्कूल में प्रधानाचार्य निवास के प्रांगण में हुआ। यज्ञ के मुख्य यजमान मीनू संगल एवं नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल रहे। भजनोपदेशक पंडित सौमित्र अंगिरस ने सत्संग एवं संगतिमय उपदेश करते हुए कहा कि समाज में योग्यतानुसार सबको साथ लेकर चलना ही उन्नति का मूल मंत्र है सत्संग का मूल अर्थ सत्य को ग्रहण करना एवं असत्य को छोड़ना है। इस अवसर पर प्रसिद्ध विद्वान शैलेश मुनि सत्यार्थी ने भी शुभकामनाएं दी। इससे पूर्व सुबह के समय प्रभातफेरी निकाली गयी, इसके बाद सुबह 8 बजे स्कूल में आर्य यज्ञ आरम्भ हुआ। इस मौके पर मीरा वर्मा, ज्ञानेन्द्र मलिक, राजपाल सिंह, नितिन वर्मा, सत्यप्रकाश आर्य, नरेंद्र अग्रवाल, मुकेश चौधरी, भारत संगल, कौशल्या आर्या उपस्थित रहे।

रासायनिक के बजाय जैविक खेती की ओर बढें किसान

शामली। नवभारत फर्टिलाइजर्स कंपनी के कृषि विशेषज्ञ महेशपाल द्वारा गांव सूबरी में जैविक खेती को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर उन्होंने किसानों को रासायनिक खादों से बचाव की सलाह देते हुए जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद खेती को प्रभावित करती है जिस के कारण खेती बंजर तक हो जाती है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए किसानों को रासायनिक की बजाय जैविक खेती के ओर बढना चाहिए। किसानों ने भी अपने खेतों में जैविक खेती का आश्वासन दिया। इस मौके पर हरवीर सिंह, तेजपाल सिंह, सुखवीर सिंह, रामफल, राजसिंह आदि किसान भी मौजूद रहे।

द गोल्ड पब्लिक स्कूल में एक पुरस्कार वितरण समारोह

कांधला दिल्ली सहारनपुर हाइवे स्थित द गोल्ड पब्लिक स्कूल में एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वर्तमान सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार और सहयोगी शिक्षकों सहित मीडियाकर्मियों को सम्मानित किया गया। दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित द गोल्ड पब्लिक स्कूल में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम उन छात्रों को पुरस्कार दिया गया जिन्होंने चल रहे शैक्षिक सत्र में खेल प्रतियोगिता,सत्र के बीच हुई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सहित अन्य प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त किया था। पुरस्कार पाकर छात्रों के चेहरों पर खुशी नजर आई। इसके उपरांत स्कूल प्रबंधक कृष्णपाल सिंह ने प्रधानाचार्य अजय कुमार को उत्तम कार्यों के लिए सम्मानित किया और साथ ही प्रधानाचार्य द्वारा शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद मीडियाकर्मियों को भी सम्मानित किया गया। सत्र के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी कराने वाले अनुभवी ट्रेनर्स को सम्मानित किया गया। इस दौरान करुणा सिंह,शुभम,तनीषा,सागर,सूरज,नितिन सहित समस्त शिक्षक मौजूद रहे।

मण्डावर फायरिंग प्रकरण का वांछित आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

गांव मलकपुर के जंगल में एसओजी व कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में दबोचा गया 25 हजार रुपये का ईनामी

एनपीटी संवाददाता

कैराना। एसओजी व कोतवाली पुलिस की टीम ने मण्डावर फायरिंग प्रकरण में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के ईनामी बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी मुठभेड़ के दौरान पैर में पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने अवैध हथियार, कारतूस व एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

विगत 11 जनवरी को क्षेत्र के गांव मण्डावर में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया था, जिसमें दोनों पक्षों के चार-पांच लोग घायल हुए थे। घटना में अवैध हथियारों से जमकर फायरिंग की गई थी। मामले के सम्बंध में गांव मण्डावर निवासी इमरान व तासमीन ने एक दूसरे के 43 नामजद व 18-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ गाली-गलौच, मारपीट व जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के आरोप में कोतवाली कैराना पर मुकदमा दर्ज कराया था। एसपी शामली रामसेवक गौतम ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजने के निर्देश दिए थे। पुलिस घटना में शामिल वर्तमान ग्राम प्रधान व भाजपा नेता समेत 29 आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। गुरुवार को एसओजी व कोतवाली पुलिस टीम की मण्डावर फायरिंग प्रकरण में वांछित चल रहे आरोपी बिल्लू उर्फ बिलाल निवासी ग्राम मंसूरा थाना झिंझाना के साथ में मलकपुर के जंगल में मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान आरोपी बिल्लू उर्फ बिलाल पैर में पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने तमंचा, कारतूस व एक बाइक बरामद हुई। घायल बदमाश को उपचार के लिए कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। मुठभेड़ की सूचना मिलने पर एएसपी संतोष कुमार सिंह व सीओ कैराना श्याम सिंह भी मौके पर पहुंचे तथा घटनाक्रम की जानकारी हासिल की। वहीं, फॉरेंसिक टीम प्रभारी प्रमोद बैंसला भी अपनी टीम के साथ में घटनास्थल पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने मुठभेड़ से सम्बंधित साक्ष्य एकत्र किए। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह रावत, एसओजी प्रभारी कुलदीप सिंह, एसआई राहुल सिसोदिया, एसएसआई यशपाल सोम, एसआई सुभाष चंद, हेड कांस्टेबल नितिन, हरवेंद्र, ललित शर्मा व प्रदीप तथा कांस्टेबल राममूर्ति तेजा, रोहित व निखिल भाटी शामिल रहे। उधर, एएसपी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान पकड़ा गया आरोपी बिल्लू उर्फ बिलाल जनपद सहारनपुर के गंगोह थाने से भी फायरिंग के मामले में वांछित चल रहा था। आरोपी पर पुलिस की ओर से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

किसानों की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा किसान केंद्रः कृष्ण मित्तल

एनपीटी संवाददाता कैराना। गांव मलकपुर में हार्वेस्टिंग फार्मर नेटवर्क(एचएफएन) के किसान केंद्र की स्थापना की गई है। किसान केंद्र खुलने से क्षेत्र में सब्जी व फलों की खेती करने वाले कृषकों की आमदनी में वृद्धि होने के प्रबल आसार है। केंद्र के स्थापित किये जाने में कर्मण्य सर्वहित संस्थान एवं उसकी सहयोगी संस्थाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। हार्वेस्टिंग फार्मर नेटवर्क (एचएफएन) द्वारा पश्चिमी उत्तर-प्रदेश में किसान केंद्रों की स्थापना की जा रही है, जिसका उद्देश्य किसानों की राह आसान करना है। इसी क्रम में गुरुवार को क्षेत्र के गांव मलकपुर में भी एचएफएन के किसान केंद्र की शुरूआत की गई। किसान केंद्र की स्थापना क्षेत्र के किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। किसान केंद्र को शुरू किए जाने में कर्मण्य सर्वहित संस्थान एवं उसके सहयोगी संगठनों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कर्मण्य सर्वहित संस्थान के महासचिव कृष्ण मित्तल ने बताया कि यह किसान केंद्र क्षेत्र के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे किसानों को न केवल उनकी फसलों का उचित मूल्य मिलेगा, बल्कि वे आधुनिक कृषि तकनीकों और बाजार की नई संभावनाओं से भी अवगत हो सकेंगे। संस्था इसे लेकर व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाएगी। इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य किसानों की भागीदारी को सार्थक बनाना और उन्हें कृषि से संबंधित नवीनतम जानकारी एवं संसाधनों से जोड़ना है। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट मंजर अब्बास ने किया। उन्होंने किसानों को किसान केंद्र के उद्देश्य और लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। केंद्र का औपचारिक उद्घाटन आगामी 03 मार्च को किया जाएगा।

पुलिस ने युवक को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया

कांधला। चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक युवक को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर के खिलाफ अभियोग दर्ज कर जेल भेज दिया है। एसपी रामसेवक गौतम ने सभी थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों और लोगों की चेकिंग करने के निर्देश दे रखे हैं। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार,एसएसआई सुभाष सिंह,उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार,विपिन कुमार,धीरेन्द्र कुमार के साथ चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने उक्त युवक को बुलाकर पूछताछ की तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। पुलिस उक्त युवक को हिरासत में लेकर थाने ले आई। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से सौ ग्राम चरस बरामद हुई है। पुलिस पूछताछ में युवक ने अपना नाम गुलाब निवासी ग्राम असरफाबाद थाना रमाला जनपद बागपत बताया है।

कांधला में धूमधाम के साथ निकाली गई शिव बारात शोभायात्रा

एनपीटी संवाददाता

कांधला। नगर में महाशिवरात्रि पर विशाल शिव बरात धूमधाम के साथ निकाली गई। भव्य शोभायात्रा में बैंडबाजे और सुंदर आकर्षक झांकियां शामिल रही। कस्बे में जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। गुरुवार को कस्बे के पूर्वी यमुना नहर स्थित सिद्ध पीठ मनकामेश्वर महादेव एव दुर्गा मंदिर समिति तत्वावधान में महाशिवरात्रि पर भगवान शिवबारात का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा का दोपहर के समय पूर्व कैबिनेट मंत्री व भाजपा एमएलसी वीरेंद्र सिंह ने फीता काटकर शुभारंभ किया। शिव बारात शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के भृमण के लिये निकली। शोभा यात्रा मंदिर परिसर प्रारम्भ होकर मोहल्ला गुजरान, रायजादगान, जामा मस्जिद, मेन बाजार, जैन स्थानक, जैन मंदिर, सहित मुख्यमार्गों से होती हुई मंदिर स्थल पर जाकर संपन्न हुई। शोभायात्रा का नगर के विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में भगवान गणेश, माता दुर्गा, , राम, लक्ष्मण, हनुमान सहित दर्जनों सुंदर-आकर्षक झाकियां शामिल रहीं। भगवान भोलेनाथ का मुख्य विमान की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में बैंड व डीजों पर भगवान शिव का गुणगान कर वतावरण शिवमय बना दिया। इस दौरान विपिन, सचिन गोयल, भीम, वरुण जैन, मयंक जैन, विष्णु प्रकाश अग्रवाल, गुलशन खन्ना, अंकुर अग्रवाल, मोहनलाल चावला, शरद मित्तल, वरुण जैन दर्जनो लोग मौजूद रहे। शोभायात्रा में सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल भी तैनात रहा।

भोले की बारात चली सज धज के, खुशियां मनाओ नच-नच के...

श्री महाकाल मित्र मंडल द्वारा महाशिवरात्रि पर बाबा महाकालेश्वर संकीर्तन का आयोजन, भजनों पर देर रात तक झूमते रहे श्रद्धालु

एनपीटी संवाददाता

शामली। श्री महाकाल मित्र मंडल द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर तृतीय बाबा महाकालेश्वर संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन में बाहर से आए कलाकारों ने बाबा के सुंदर भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में बाबा महाकाल का भव्य श्रृंगार एवं शिव-पावती विवाह श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र रहा।

शहर के मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम पर श्री महाकाल मित्र मंडल द्वारा महाशिवरात्रि के मौके पर तृतीय बाबा महाकालेश्वर संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन का शुभारंभ नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल, मंदिर के प्रधान सलिल द्विवेदी एवं नितिन संगल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मेरठ से आए विजय कुमार ने घर में पधारो गजानन जी मेरे घर में पधारो प्रस्तुत की। इसके बाद मेरठ के दीपेश कोहली ने हमारे हे गुरुदेव भोलेनाथ हमें किस बात की चिंता, आया शिवरात्रि का त्यौहार, आया भोलेनाथ का त्यौहार, भोले की बारात चली सज धज के, खुशियां मनाओ नच-नच के। तेरे चलाने से चले नैया गरीब की, तूने बदल ली किस्मत गरीब की, है जग में धन्य तेरी माया शिवशंकर, भोले भाले शिव शंकर डमरू वाले, हमें चिंता नहीं किसी बात की जय हो भोलेनाथ की, जय हो शंभूनाथ की, भजन सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। बरेली से आई भजन गायिका अर्पणा मिश्रा ने सांसों की माला पे सिमरू मैं तेरा नाम, महाकाल की गुलामी मेरे काम आ गयी, भोलेनाथ की गुलामी मेरे काम आ गयी, दूल्हा बने हैं शंकर उज्जैन की नगरी में, मची है धूम उज्जैन की नगरी में सुनाकर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। संकीर्तन में बाबा महाकाल का भव्य श्रृंगार, भव्य शिव-पावती विवाह, बाबा महाकाल का रौद्र रूप व ढोल नगाडों द्वारा बाबा की भव्य एवं दिव्य आरती श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनी रही। माता पार्वती का कन्यादान उषा वर्मा व दुर्गेश वर्मा ने किया। कार्यक्रम में श्री मंगलनाथ मंदिर उज्जैन के मुख्य पुजारी प्रवण भारती भी मौजूद रहे। मंच संचालन अनिल अनुरागी चंडीगढ ने किया। इस मौके पर अरविन्द दृष्टा, विवेक प्रेमी, यशपाल पंवार, राजकुमार वर्मा, गौरव वर्मा, देवानंद गौड, आकाश वर्मा, विशाल वर्मा, अमन वर्मा, शंकर शर्मा एडवोकेट, गौरव खाटियान, सचिन वर्मा, संजय वर्मा, शुभम खिप्पल, विनीत वर्मा, वैभव शर्मा, सचिन, आकाश, देव, हर्ष, कुणाल, सचिन पांचाल, सागर, हिमांशु पांचाल, सन्नी सैनी, प्रथम सोनी राजपूत, सागर वर्मा आदि भी मौजूद रहे।

बीमारियों के कारण एवम बचाव पर किया व्याख्यान

कैराना : राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मार्गदर्शन में एनएसएस स्वयंसेवियों ने जाकर रोगियों की लाइन बनवाने, बुजुर्ग और प्रसूता महिलाओं को काउंटर तक पहुंचाने, रोगियों को स्वच्छता के विषय में जागरूक किया। विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में टीबी के विषय में भी रोगियों को जागरूक करने का प्रयास किया। शिविर के छठे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना में मुख्य अतिथि डा मीनाक्षी धीमान, ओरल एंड जनरल हेल्थ,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैराना तथा डा रीनू असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी ने कार्यक्रम का शुभारंभ युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानन्द की तस्वीर पर माल्यार्पण एवम पुष्प अर्पित कर किया। मीनाक्षी धीमान ने स्वयंसेवियों को बताया कि स्वच्छता एवं स्वास्थ्य मानव जीवन के अभिन्न अंग है।व्यायाम ,संतुलित खानपान व सकारात्मक सोच एक स्वस्थ जीवन का आधार है। टीबी मुक्त भारत विषयों पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में अजरा मिर्जा ,दीपा सैनी ने प्रथम स्थान, आंचल गौतम, वैभव,मुस्कान मलिक ने द्वितीय स्थान तथा असबा, अर्शी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आवश्यकता है

दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना चौसाना एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है

आदिल राणा
ब्यूरो चीफ शामली
+919082190000

झारखण्ड सरकार शिक्षकों को उपलब्ध करायेंगी टैबलेट

एनपीटी, झारखण्ड में सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज 28 फरवरी 2025 को टैबलेट देने जा रहे हैं। हालांकि ये टैब उन्हीं शिक्षकों को दिया जायेगा, जिन विद्यालयों में 30 से ज्यादा बच्चे होंगे। शिक्षा विभाग की ओर से 28,945 विद्यालयों का प्रदेश भर में चयन किया गया है। दरअसल सरकार की ओर से ये पहल इसलिए की गयी है, ताकि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को डिजिटल लिट्रेसी से जोड़ा जा सके। दरअसल सरकार की मंशा है कि स्कूलों की हर गतिविधियों को आनलाइन किया जाये, ताकि उसमें पारदर्शिता बनी रहे। स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति से लेकर बच्चों के अटेंडेंस तक आनलाइन हो रहे हैं। ताकि गुणवत्तापूर्वक पढ़ाई के साथ-साथ जिम्मेदारियां भी सुनिश्चित हो सके।

उसी कड़ी में अब सरकार पहली से लेकर पांचवी तक के ऐसे स्कूलों के शिक्षकों को टैबलेट देगी, जहां कम से कम 30 बच्चे अध्ययनरत है। झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से वैसे शिक्षकों को शामिल किया गया है जो ई- विद्यावाहनी में बयोमैट्रिक अटेंडेंस बनाते हैं। शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने पत्र दे कर कहा की टैब के लिए मेसर्स एसआइबीआइएन लिर्निंग कार्ट प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक एमओयू किया गया है। एक साल तक इस टैबलेट की देखभाल इस कम्पानी के द्वारा की जायेगी। शिक्षकों को ये टैब धुर्वा के प्रोजेक्ट भवन में दिया जायेगा। इसमें रांची को छोड़कर बाकि सभी जिलों के 6-6 प्रिंसिपल इसका हिस्सा बनेंगे। वही शिक्षा विभाग के द्वारा चयनित की गई शिक्षाकों की सूची के मुताबिक पूर्वी सिंहभूम के 1191 शिक्षकों को टैबलेट दिया जायेगा। जबकि पश्चिमी सिंहभूम के 2108 लोगों को टैबलेट दी जानी थी, अभी संख्या घटाकर 1772 कर दी गयी है। वही सरायकेला खरसावां में 1039, जामताड़ा 850, खूंटी 491, कोडरमा के 603, लातेहार के 917, लोहरदगा के 417 व पाकुड़ के 905 शिक्षकों को टैबलेट दी जायेगी। वही पलामू के 2323, रामगढ़ के 485, साहिबगंज के 1039, सिमडेगा के 468, रांची के 1456 , बोकारो के 1190 , चतरा के 1354 , देवघर के 1712, दुमका के 1797, गढ़वा के 1265, गिरिडीह 2776 , गोड्डा 1303, गुमला के 897, हजारीबाग के 1201 समेत धनबाद जिले के 1371 शिक्षकों को टैबलेट दिया जाना है।

झारखण्ड परिभ्रमण पर पहुंचे इवोरियन राजदूत ने सीएम से की मुलाकात

एनपीटी ब्यूरो

रांची, झारखण्ड परिभ्रमण पर पहुंचे महिला, परिवार और बाल संरक्षण मंत्री, कोटे डी आइवर गणराज्य, , Euphrasie Kouassi YAO अड तथा पूर्व महिला संवर्द्धन मंत्री एवं इवोरियन राजदूत, , H.E. Eric Camille N'DRY ने सीएम हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से

यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थित थे।

राजस्व संग्रहण की हुई समीक्षा बैठक, दिया जरूरी निर्देश

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), गुरुवार 27 फरवरी 2025 को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में हुई राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक में खनन, मत्स्य, उत्पाद, निबंधन, बाजार समिति, सहायक निबंधन अंकेक्षण, वाणिज्यकर, मापतौल, परिवहन,वन, विद्युत, नगर परिषद, भूमि सुधार समेत सभी अंचलों को राजस्व संग्रहण के लक्ष्य के विरूद्ध प्राप्त संग्रहण की समीक्षा की गई। तत्पश्चात राजस्व संग्रहण बढ़ाने के निर्देश दिया गया। खनन विभाग द्वारा अब तक की गई राजस्व संग्रहण की जानकारी ली, इसे और बढ़ाने का निर्देश उपायुक्त के द्वारा दिया गया। इस क्रम में उत्पाद विभाग, नगर परिषद एवं अन्य विभागों को राजस्व में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा ऑनलाइन लगान, नीलाम पत्र समेत राजस्व से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई।

मनरेगा, आवास योजनाओं के विभिन्न मापदंडों का किया गया समीक्षा

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को मनरेगा, आवास योजनाओं का समीक्षा किया गया। उपायुक्त ने मनरेगा में आधार बेस्ड पेमेंट सिस्टम, बिरसा हरित ग्राम योजना, योजना पूर्णता 21-22 से पूर्व एवं अबतक, पीडी जेनरेशन, लेबर इंगेजमेंट, एरिया आफिसर एप, एनएमएस, पोटो हो खेल विकास, दीदी बाड़ी योजना, एमबी एंट्री, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण एवं अबुआ आवास में मजदूरी भुगतान की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन शत- प्रतिशत करने का निर्देश दिया। अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में ई- मस्टर रोल निर्गत की समीक्षा कर लक्ष्य के अनुरूप मस्टर रोल जारी करने की बात कही। उपायुक्त ने सभी बीडीओ को दीदी बाड़ी योजना निरीक्षण करने एवं बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। दीदी बाड़ी योजना के अन्तर्गत पुरानी योजनाओं को पूर्ण करने और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नये लाभुकों का चयन करने की भी बात कही। इसके अलावे कूप निर्माण सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिया गया। एबीपीएस में 99 प्रतिशत प्रगति 10 मार्च तक करने का निर्देश सभी प्रखण्ड को दिया गया। बिरसा सिंचाई कूप योजना में योजना मद की राशि 2 करोड़ तक खर्च करने का निर्देश दिया गया। 2021-22 एवं उससे पूर्व की लंबित योजनाओं को कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता पूर्ण कराये, जिसके लिए एक महीने का समय दिया गया। पीडी जेनरेशन में सभी बीडीओ को मानिटरिंग करने का निर्देश दिया गया। हिरणपुर प्रखण्ड को एनएमएमएस कराने का निर्देश दिया गया। सोशल ऑडिट में सभी प्रखण्डों को तीन दिन के अन्दर एक्शन टेकन ऑनलाइन करने का निर्देश दिया गया। मापी पुस्त को मनरेगा सॉफ्ट में प्रविष्टि करने का निर्देश दिया गया।

पोटो हो खेल मैदान में स्कूलों में जाकर योजना लेने का निर्देश दिया गया। सभी बीपीओ को फिल्ड विजिट करने का निर्देश दिया गया। अबुवा आवास में मस्टर रोल जेनरेट की समीक्षा सोमवार को की जायेगी। वही अबुआ आवास योजना के समीक्षा के क्रम में सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सदन में विधायक रामचंद्र सिंह ने उठाया सर्वे में हुई गड़बड़ी का मामला

एनपीटी ब्यूरो

लातेहार (झा०खं०), लातेहार के मनिका विधायक रामचंद्र सिंह के द्वारा झारखण्ड विधानसभा सत्र के दौरान सदन में हाल की सर्वे में हुई गड़बड़ी का मामला उठाने पर प्रखड वासीयों ने सराहा। प्रखण्ड के युवा नेता लाल आशीष नाथ शाहदेव, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र गंझू, सहित कई किसानों ने बताया कि पलामू प्रमंडल के एक लौते विधायक हैं, जिन्होंने सरकार का ध्यान आकर्षित कराया।

विधायक रामचंद्र सिंह ने सदन के माध्यम से बताया कि लातेहार जिला के सभी अंचल में सीएस खाता के अनुसार हुई बंदोबस्ती द्वारा प्राप्त भूमि और खरीदी गई भूमि का रसीद 2015 तक नियमित काटा गया पर उसके बाद नया आरएस खाता में त्रुटि के कारण अधिकांश किसानों मजदूरों व अन्य लोगों का रसीद कटना बंद हो गया है। जिसे जमीनी विवाद बेवजह बढ़ता जा रहा है। जिसे देखते हुए सदन में सीएस खाता प्लॉट से आरएस खाता में बदल कर रसीद काटने का आदेश जारी करने की मांग उठाया है जो बहुत ही सराहनीय है।

पूर्व मुख्य सचिव एल. खियांग्ते होंगे जेपीएससी के अध्यक्ष

एनपीटी, झारखण्ड राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को राज्य सरकार के प्रस्ताव पर तत्काल निर्णय लेते हुए राज्य के पूर्व मुख्य सचिव एल. खियांग्ते को झारखण्ड लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। महामहिम राज्यपाल ने उम्मीद जताई है कि राज्य में नियुक्ति प्रक्रिया तेज होगी तथा आयोग द्वारा सभी परीक्षाओं का संचालन निर्धारित कैलेंडर के अनुरूप समयबद्ध और सुचारु रूप से हो सकेगा। आयोग की कार्यप्रणाली में गति एवं पारदर्शिता आयेगी। आपको बता दे एल ख्यांगते 1988 बैच के आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारी हैं। 6 दिसंबर 2023 को उन्हें सुखदेव सिंह की जगह पर राज्य का मुख्य सचिव बनाया गया था। 31 अक्टूबर 2024 को वे रिटायर हुए थे। उनके स्थान पर अलका तिवारी को मुख्य सचिव बनाया गया था।

झारखण्ड कम्युनिकेटर्स वर्कशॉप में ग्रामीण विकास मंत्री हुए शामिल

एनपीटी, रांची में आयोजित झारखण्ड कम्युनिकेटर्स वर्कशॉप में शामिल हुए ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने साझा किया कि यह मंच हमारे समृद्ध सामुदायिक संसाधनों, जलवायु परिवर्तन और संसाधन प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार जल, जंगल और जमीन की रक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पर्यावरण संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संकल्प है। सतत विकास और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखते हुए, हम झारखण्ड के भविष्य को और अधिक हरित, समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए निरन्तर प्रयासरत हैं। ऐसे प्रयास ही हमारी धरती को सुरक्षित, स्वच्छ और खुशहाल बनायेंगे।

झामुमो पाकुड़ संयोजक मंडली के प्रमुख अजीजुल इसलाम ने सीएम से की मुलाकात, समस्याओं से कराया अवगत

एनपीटी,

पाकुड़ जिले के झामुमो जिला संयोजक मंडली के संयोजक प्रमुख अजीजुल ईस्लाम ने गुरुवार को राज्य के मुख्यमंत्री सह- झामुमो पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमन्त सोरेन से औपचारिक मुलाकात कर पाकुड़ जिले की जन समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही कई अहम बिंदुओं पर विशेष ध्यान आकृष्ट भी कराया। इस दौरान जिला संयोजक मंडली के सदस्य सुनील टुडू व हिरणपुर प्रखण्ड के पूर्व झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष इसहाक अंसारी मौजूद रहे।

तीन कर्मचारियों के भरोसे पूरा अंचल, जनप्रतिनिधियों ने जताया चिंता

एनपीटी ब्यूरो, लातेहार (झा०खं०), लातेहार जिला के बारियातू अंचल क्षेत्र की जनता सरकारी कामकाज में तेजी और सुविधा की उम्मीद रखती है. लेकिन बारियातू अंचल कार्यालय में हालात इसके बिल्कुल उलट हैं। यहां राजस्व से जुड़े सात हल्का में केवल तीन कर्मचारी कार्यरत है। जिससे क्षेत्रीय प्रशासन की गति धीमी हो गई है और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अंचल कार्यालय में वर्तमान में संदीप कुमार, नंदेव राम और राजू राम ही राजस्व सम्बन्धी कार्य संभाल रहे हैं. स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब नंदेव राम को दो हल्कों के साथ-साथ अंचल निरीक्षक (सीआई) का भी अतिरिक्त कार्यभार उठाना पड़ रहा है। महज तीन कर्मचारियों के सहारे पूरे प्रखंड की नौ पंचायत सदर पंचायत बारियातू, साल्वे, टोंटी, अमरवाडीह, गोनिया, बालूभांग, फुलसू व डाढा के 56 गांवों का प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से चलाना किसी चुनौती से कम नहीं। गौरतलब है कि वर्ष 2014 में अंचल कार्यालय की स्थापना के बाद से अब तक केवल एक अंचल निरीक्षक, नसीम

अख्तर, 2017 में नियुक्त किये गये थे। लेकिन 2 मार्च 2021 को उनके स्थानांतरण के बाद इस पद पर कोई अन्य सीआई का पदास्थापना नहीं हुआ, ऐसे में राजस्व कर्मचारियों को ही अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभानी पड़ रही हैं। हालात यह है कि अमरवाडीह व बालूभांग पंचायत अंचल कार्यालय से लगभग बीस से पच्चीस किलोमीटर दूर है। यहां के ग्रामीण अपने काम को लेकर जब अंचल कार्यालय पहूंचते हैं, तो उनका काम नहीं हो पाता है। जिससे ग्रामीण अंचल को कोसते और दलालों को पकड़ कर अपना काम कराते हैं। ग्रामीणों के सुविधा के लिए सरकार के विभाग द्वारा गोनिया व टोंटी मे राजस्व कचहरी भवन का निर्माण किया गया है । पर बने चार वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक लगा ताला भी नहीं खुला है।

अंचल अधिकारी (सीओ) नंद कुमार राम ने बताया कि अंचल क्षेत्र में कुल सात हल्के हैं, लेकिन केवल चार पद ही स्वीकृत हैं। कर्मचारियों की कमी को लेकर वरीय पदाधिकारियों को सूचना दी जा चुकी है और जल्द से जल्द आवश्यक नियुक्ति के लिए अनुरोध किया गया है। प्रखण्ड की नौ पंचायतों के मुखिया- सरिता देवी, तेतरी देवी, केदार गंझू, रानो देवी, सुरेश उरांव, शांति देवी, राजीव भगत और सुशील देवी ने भी गहरी चिंता जताई है।

उन्होंने उपायुक्त से मांग की है कि जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाया जाय, ताकि जनता को जरूरी प्रमाणपत्र, भूमि से जुड़े कागजात और अन्य राजस्व सेवाओं के लिए अनावश्यक विलंब न झेलना पड़े।

पाकुड़ के बरमसिया मौजा में जीवाश्म का भंडार, वैज्ञानिकों ने की पुष्टि

एनपीटी ब्यूरो, पाकुड़ प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत सोनाजोड़ी के मटिया पहाड़ में के बीते दिनों भू-वैज्ञानिकों के द्वारा जीवाश्म मिलने की पुष्टि करते हुए एक महत्वपूर्ण इतिहास को प्रकाशित किया गया। जीवाश्म मौजूद होने की पुष्टि से भू-वैज्ञानिकों समेत जिला वासियों में कौतुहल व्याप्त रहा। धरती की हलचल से पनपने से बने जीवाश्म का पहाड़ की पुष्टि भू- वैज्ञानिकों के द्वारा बरमासिया मौजा पर होने से ऐतिहासिक घटनाक्रम की सारांश को प्रकाशित कर दिया है। वैज्ञानिकों को जीवाश्म का पता लगने से अतीत की रही वास्तविक अवस्था को जानने का आयाम मिल गया कि कितने वर्ष पहले हुई धरती की हलचल से जीवाश्म का निर्माण हुआ। बरेहल जिला वासियों के लिए खुशी का क्षण है कि मौजूद जीवाश्म से क्षेत्र का नाम सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी ऐतिहासिक रूप में जाना जायेगा कि भारत के झारखण्ड राज्य अन्तर्गत जिला पाकुड़ के प्रखण्ड पाकुड़ क्षेत्र के बरमसिया मौजा में जीवाश्म/ फॉसिल्स का पहाड़ अवस्थित है। जिला पाकुड़ के बरमसिया मौजा में जीवाश्म का पहाड़ मिलना अपने आप में एक अनोखा/ ऐतिहासिक क्षण है जो भू- वैज्ञानिकों को क्षेत्र के भू- गर्भ के बारे में और अधिक जानने का आयाम स्थापित करेगा।

कोयला खनन कार्य शुरू होने से क्षेत्र में होंगे चहुमूखी विकास- अपर समाहर्ता

एनपीटी ब्यूरो,

लातेहार (झा०खं०), लातेहार जिला खेल स्टेडियम के परिसर में गुरुवार को पर्यावरण प्रभाव को लेकर जनसुनवाई कार्यक्रम अपर समाहर्ता रामा रविदास की अध्यक्षता में आयोजित हुई। तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड के द्वारा प्रस्तावित राजबार ऑपन कास्ट कोयला खदान के प्रारंभ होने की प्रक्रिया में आज एक कदम सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर राजबार कोयला खदान के तहत आने वाले राजस्व गांव जेरांग, राजवार, रेंची, लेजांग, डडिया और सेरक के प्रभावित ग्रामीण ने कोयला खदान खुलने से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण सम्बन्धी प्रभाव आकलन और प्रयावरण प्रबंधन योजन सम्बन्धी अपने- अपने समस्याओं को रखा। जिस पर कार्यक्रम में मौजूद राज्य प्रदुषण बोर्ड के अधिकारी और कम्पानी के अधिकारियों ने ग्रामीणों के सवालों का जवाब दिया। मौके पर अपने अध्यक्षीय उदगार में अपर समाहर्ता ने कहा कि आज बड़े हर्ष का दिन है कि राजबार कॉल ब्लॉक खुलने की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव पूर्ण हुआ। उन्होंने कहा कि औरंगा कोलया क्षेत्र में राजबार ऑपन कोयला खदान से लातेहार जिले के तीन अंचल के आधा दर्जन गांव के 1461 ग्रामीणों को प्रत्यक्ष रोजगार और पांच हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होंगे।

इससे क्षेत्र चहुमूखी विकास की ओर अग्रसर होगा। खदान खुलन को लेकर पर्यावरण प्रभाव और प्रबंधन की योजना कम्पानी द्वारा पूर्ण रूप से तैयार की गई है। सभी पहलूओं पर विस्तृत तैयारी की गई है। इस कॉल ब्लॉक से निकलने वाली कोयला से विद्युत उत्पादन किया जायेगा, जो झारखण्ड राज्य के उर्जा क्षमता को बढ़ायगा। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि इस जनसुनवाई में प्रभावित गांव के ग्रामीणों ने पर्यावरण सम्बन्धी बातों पर अपनी सहमति दी है।

इसके अलावे कम्पानी के अधीक्षण अभियंता राजेश रंजन ने कहा कि इस कॉल ब्लॉक में मार्च 2026 से खनन कार्य प्रारम्भ करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत सभी स्वीकृति ली जायेगी। इसी कड़ी में आज की कारवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में प्रभावित ग्रामीणों के साथ-साथ लातेहार, चंदवा व बालूमाथ के अंचलाधिकारी के अलावे टीवीएनएल के गंगा रविदास, जगन्नाथ टूडू, रमेश कुमार सिंह, रंजीत कच्छप, एलएम गुप्ता समेत अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

नगर आयुक्त से हुई गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों की बैठक

मृतक आश्रितों की नियुक्ति, मेडिकल भुगतान तथा रिटायर कर्मचारियों की देयता, निगम की प्राथमिकता- नगर आयुक्त

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद नगर निगम की यूनियन के पदाधिकारी गण द्वारा नगर आयुक्त से बैठक की गई, निगम हित तथा कर्मचारियों के हित में चल रहे कार्यों की सरहाना की गई बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी अधिष्ठान पल्लवी सिंह उपस्थित रही' यूनियन की टीम द्वारा कर्मचारियों के ट्रांसफर, कर्मचारियों की नियुक्ति पदोन्नति तथा अनेक बिंदुओं पर नगर आयुक्त से चर्चा की गई तथा समय से हो रहे कार्यों के लिए धन्यवाद भी किया गया'

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम में कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों का समय से वेतन का भुगतान, मृतक आश्रितों की नियुक्ति, मेडिकल भुगतान तथा रिटायर हुए कर्मचारियों की देयता का भुगतान निगम की प्राथमिकता है जिसके क्रम में न केवल पुराने मामलों को सुलझाया गया है बल्कि वर्तमान में चल रही कार्य प्रणाली को सुदृढ़ किया गया है, इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा संबंधित समस्त विभागीय अधिकारियों को भी गाजियाबाद नगर निगम के सभी कर्मचारियों के हितों में नियम अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं'

बैठक में गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रविंद्र उपाध्यक्ष संजय शर्मा महामंत्री नितिन भारद्वाज क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रदीप तथा राजीव व अन्य टीम द्वारा, सफाई मित्रों वाहन चालकों मालियों प्रकाश विभाग के कर्मचारी तथा जल कल विभाग के कर्मचारी की टीम के साथ समय-समय पर बैठक बुलाई जाने का अनुरोध किया गया जिस पर नगर आयुक्त ने रोस्टर के क्रम में बैठक करने के निर्देश टीम को दिए गए उपस्थित जनों ने नगर आयुक्त का धन्यवाद किया'

एचएलएम कॉलेज में रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद - नार्थ के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद । दिल्ली मेरठ रोड स्थित एचएलएम कॉलेज में रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद - नार्थ के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ! ये रक्तदान शिविर वरदान मल्टीस्पेशिल्टी के ब्लड बैंक द्वारा लगाया गया! रोटरी क्लब के तरफ से सचिन गुप्ता , सी ए प्रमोद गुप्ता , मोहित गुप्ता , शिसिर अग्रवाल, एव पीयुष गुप्ता उपस्तिथ रहे ! वरदान हॉस्पिटल की तरफ से विक्रांत सिंह व उनकी पूरी टीम मौजूद रही ! इस कैंप में एचएलएम कॉलेज के छात्र व स्टाफ ने बढ़चढ़ का अपना योगदान दिया!

एचएलएम नर्सिंग कॉलेज की और से प्रिंसिपल डॉ रचना गुप्ता व डीन अकैडमिक मोहित जिंदल उपस्तिथ रहे !

एचएलएम ग्रुप के निदेशक डॉ अनुज अग्रवाल एव सहायक निदेशक डॉ धीरज शर्मा ने अपने छात्रों को धन्यवाद ज्ञापन किया!

सहायक निदेशक डॉ धीरज शर्मा ने बताया कि ₹तुम्हारे रक्त की एक बूंद किसी और के लिए जीवन की एक बूंद हो सकती है₹ उन्होंने कहा एचएलएम संस्थान समय - समय पर ऐसे शिविर कैंप का आयोजन कराता रहता है!

एचएलएम कॉलेज शिक्षा के साथ साथ सामाजिक कार्यो में योगदान देते रहेगे! आगे आँखों के शिविर का आयोजन भी कराया जाएगा!

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने आरटीई के बच्चो के घर जाकर जांच करने वाले स्कूलों पर कार्यवाई की मांग

आरटीई -दाखिले नहीं लेने वाले स्कूलों पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश जारी करे सरकार - जीपीए

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। जिले में आरटीई के दाखिलों की चयन प्रक्रिया दिसंबर माह से प्रारंभ हो चुकी है जिसके तीन चरण समाप्त हो चुके है दो चरणों के चयनित बच्चो को चयनित पत्र जारी हो चुके है शिक्षा अधिकारी और जिला प्रशासन इस बार शत प्रतिशत दाखिले कराने के दावे ठोक रहा है वहीं निजी स्कूल है कि जो चयनित बच्चो को दाखिला नहीं देकर शिक्षा विभाग के दावों की पोल खोल रहे है निजी स्कूलों ने आरटीई अधिनियम के नियमों का उल्लंघन कर जहा इस बार भी चयनित बच्चो के घर जाकर वेरिफिकेशन करने का खेल शुरू कर दिया वही बच्चो के अभिभावकों से तीन साल की बैंक स्टेटमेंट सहित अनावश्यक कागजात मांगने शुरू कर दिए हैं गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव अनिल सिंह का कहना है कि निजी स्कूल हमारे शिक्षा अधिकारियों की सुनने के लिए तैयार ही नहीं है इस बार भी वहीं पुराना राग अलापना शुरू कर दिया है कुछ स्कूल कह रहे है कि हम मार्च में दाखिला देंगे और कुछ स्कूलों ने तो आरटीई नियमों का उल्लंघन कर गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के अभिभावकों के यहां अपना स्टाफ भेजकर जांच करानी शुरू कर दी है जो जहा गरीब अभिभावकों के निजिता के अधिकार का हनन है वहीं आरटीई के नियमों का उल्लंघन भी है हम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि ऐसे स्कूलों पर समय रहते कार्यवाई सुनिश्चित करे जिससे कि किसी भी आरटीई के अंतर्गत चयनित बच्चे को शिक्षा के अधिकार से वंचित न होना पड़े।

एस.डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी मे प्रसिद्ध कम्पनी के.डब्लयू. ग्रुप द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का हुआ आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। एस.डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी में प्रसिद्ध कंपनी के. डब्लयू. ग्रुप द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। इस ड्राइव में एम.बी.ए., बी.बी.ए., बी.कॉम, बी.सी.ए., एम.सी.ए., बी.टेक. (कम्पयूटर सांइस) के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

ड्राइव का आरम्भ कंपनी प्रोफाईल अथवा जॉब डिस्क्रिप्शन के बारे मे कंपनी के अधिकारियों द्वारा बताकर किया गया! इस ड्राइव में पर्सनल इंटरव्यू के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन कंपनी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सुन्दर दीप ग्रुप के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुंदरदीप समूह, अखिल अग्रवाल, एस.डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो० (डॉ०) प्रसेंनजीत कुमार, प्रो० वाइस चांसलर पीयूष श्रीवास्तव, आई.जी. पुलिस (से०नि०), रजिस्ट्रार डॉ० राजीव रतन, अमित भारद्वाज, निदेशक (ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट), प्रो. (डॉ०) हरीश तलूजा, निदेशक इंजीनियरिंग, प्रो० (डॉ०) दीपा कंवर, उप निदेशक तथा सभी कॉलेजों के निदेशक, विभागाध्यक्ष, और फैकल्टी सदस्यों द्वारा चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी गई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

छूट खत्म होने को आई, बिल वसूली नहीं हो पाई

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। एक मुश्त समाधान योजना के तीनों चरण शुक्रवार को खत्म होने वाले हैं, लेकिन अभी भी 385 करोड़ रुपये का बकाया बिल उपभोक्ताओं से जमा नहीं कराया जा सका है। योजना की शुरूआत से पहले जोन एक में 49 करोड़, जोन दो में 348 करोड़ और जोन तीन में 62 करोड़ रुपये का बिल उपभोक्ताओं पर बकाया था। योजना के समाप्त होने के एक दिन पहले तक तीनों जोन ने कुल 73.84 करोड़ की ही रिकवरी पूरी की।

जोन एक के मुख्य अभियंता अशोक सुंदरम ने बताया कि जोन एक में 57290 उपभोक्ताओं पर 49 करोड़ रुपये का बिजली का बिल बकाया था। एक मुश्त समाधान योजना का लाभ उठाते हुए 11545 उपभोक्ताओं ने 8.37 करोड़ रुपये के बिल का भुगतान किया। 45745 ऐसे उपभोक्ता अभी भी जोन एक में बचे हैं, जिन्होंने न तो ओटीएस के तहत पंजीकरण कराया और न ही अपने बिल का भुगतान कर रहे हैं।

जोन दो के मुख्य अभियंता नरेश भारती ने बताया कि जोन दो में 1,55,926 उपभोक्ताओं को ओटीएस योजना के तहत पात्र थे। जिनपर 348 करोड़ रुपये का विद्युत का बिल बकाया है। 52,429 बकायेदार उपभोक्ताओं ने ओटीएस के तहत पंजीकरण कराते हुए करते हुए व 63 हजार उपभोक्ताओं ने बिना ओटीएस का लाभ उठाए 32 करोड़ रुपये के बकाया बिल का भुगतान किया। इस दौरान लगभग 40 हजार बकायेदारों के यहां कार्रवाई करते हुए उनके लाईन काटी गई।

जोन तीन के मुख्य अभियंता दीपक अग्रवाल ने बताया कि जोन तीन में 89080 उपभोक्ताओं पर 62 करोड़ रुपये के बिल का बकाया है। तीनों चरण के दौरान 18,659 उपभोक्ताओं ने 12.94 करोड़ रुपये के बिल का भुगतान किया। ऐसे में जोन तीन में 70,421 ऐसे उपभोक्ता हैं। जिन्होंने अभी तक अपने बिल का भुगतान नहीं किया है।

50 हजार से अधिक लॉग पेंड के मामले : तीनों जोन में 50 हजार से अधिक ऐसे मामले हैं, जिन्होंने ऊर्जा निगम के लाखों रुपये के बिल को रोककर रखा है। इनपर उपभोक्ताओं ने पिछले एक साल से ऊर्जा निगम के बिल के एक भी रुपये का भुगतान नहीं किया है। इनपर कार्रवाई भी की गई है। कनेक्शन काटने के साथ ही इनको आरसी भी जारी किया गया, लेकिन अब भी यह बकाए बिल का भुगतान नहीं कर रहे हैं।

कनेक्शन लेने के बाद छह हजार उपभोक्ता गायब : बिजली के बिल के बकायेदारों में छह हजार से अधिक ऐसे मामले हैं, जिन्होंने कनेक्शन लेने के बाद से अब तक एक भी रुपये जमा नहीं कराया है। ऐसे उपभोक्ताओं पर बकाया वसूली के लिए ऊर्जा निगम की टीम इनकी लगातार तलाश कर रही है। क्योंकि या तो यह किसी के यहां किराये के मकान में रहकर कारोबार किया और कनेक्शन लिया।

मोटापे से सम्बंधित बीमारियों पर मैक्स अस्पताल ने किया सेमिनार में जागरूक

डॉ आशीष गौतम ने मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर किया जागरूक

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

अलीगढ। मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, पटपड़गंज के चिकित्सकों ने गुरुवार को आभा होटल में दोपहर 1:30 बजे एक जन जागरूकता सत्र का आयोजन किया। जिसमें मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया जैसी बढ़ती चिंताओं से निबटने पर जोर दिया गया। यह सत्र भारत के प्रसिद्ध लेप्रोस्कोपिक,बेरियाट्रिक और रोबोटिक सर्जन डॉ. आशीष गौतम के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने इन समस्याओं से जूझ रहे लोगों को जागरूक किया। डॉ आशीष गौतम ने बताया कि यह सारी समस्याएं साइलेंट किलर का काम करती हैं। उन्होंने इन बीमारियों के इंटरकनेक्शन, इनके बढ़ते खतरे, इसकी प्रारंभिक पहचान के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इन बीमारियों को रोकने और प्रबंधित करने के तरीकों को समझाया।

डॉ आशीष गौतम ने बताया कि बेरियाट्रिक सर्जरी मोटापे और उससे जुड़े रोगों जैसे टाइप-2 डायबिटीज, हाइपरटेंशन, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) और अन्य मेटाबॉलिक समस्याओं के लिए एक दीर्घकालिक समाधान प्रदान करती है।

डॉ आशीष ने बताया कि वैज्ञानिक शोध और क्लीनिकल ट्रायल से साबित हुआ है कि बेरियाट्रिक सर्जरी न केवल स्वास्थ्य में सुधार करती है, बल्कि टाइप 2 डायबिटीज का पूरी तरह से उपचार करने और हाइपरटेंशन व अन्य मेटाबॉलिक समस्याओं के खतरे को कम करने में भी प्रभावी है। रोबोटिक-असिस्टेड बेरियाट्रिक सर्जरी के 48 घण्टे के भीतर मरीज को अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। साथ ही इस पद्धति के कारण संक्रमण का खतरा, खून की हानि कम होती है तथा और मरीज की हालत में जल्द सुधार होता है। उन्होंने बताया कि समय पर जागरूक होकर, उचित आहार, व्यायाम और नियमित निगरानी के माध्यम से इन बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने उच्च रक्तचाप के प्रति भी लोगों को जागरूक किया और बताया कि यह बीमारी हृदय रोग, स्ट्रोक और किडनी डैमेज का प्रमुख कारण बनी हुई है। जिसकी रोकथाम के लिए उन्होंने नियमित रक्तचाप जांच आदि जरूरी हैं। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनि के प्रति सचेत करते हुए उन्होंने कहा कि इस बीमारी को नजर अंदाज करने के कारण थकान व हृदय संबंधी समस्याएं उभर के सामने आती हैं।

डॉ. आशीष ने कहा कि संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधि, मासिक स्वास्थ्य जांच और प्रभावी वजन प्रबंधन स्वस्थ जीवनशैली का मूलमंत्र हैं।

उन्होंने मोटापा के प्रति भी सचेत करते हुए कहा कि मोटापा गंभीर बीमारियों जैसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, स्लीप डिसऑर्डर और कई अन्य जटिलताओं का मूल कारण बन गया है।

डॉ आशीष ने बताया कि मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड भारत के सबसे बड़े हेल्थकेयर ऑर्गनाइजेशंस में से है। नवीनतम टेक्नोलॉजी और अत्याधुनिक शोध के दम पर मैक्स हेल्थकेयर ने क्लीनिकल एक्सीलेंस एवं पेशेंट केयर के मामले में सर्वोच्च मानक स्थापित किये हैं। उत्तर भारत मे कुल 22 अस्पतालों के संचालन (करीब 5,000 बेड) के साथ मैक्स हेल्थकेयर की उल्लेखनीय उपस्थिति है। इसके नेटवर्क में कंपनी एवं उसकी सब्सिडियरीज द्वारा संचालित सभी अस्पताल एवं मेडिकल सेंटर, पार्टनर हेल्थकेयर फैसिलिटीज एवं मैनेज्ड हेल्थकेयर फैसिलिटीज शामिल हैं। इनमें दिल्ली एनसीआर में साकेत (3 हॉस्पिटल), पटपड़गंज, वैशाली, राजेंद्र प्लेस, द्वारका, नोएडा व शालीमार बाग के अत्याधुनिक टर्शरी एवं क्वाटर्नरी केयर हॉस्पिटल्स, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, मोहाली, बठिंडा, देहरादून के एक-एक हॉस्पिटल, गुरुग्राम व बुलंदशहर के सेकेंडरी केयर हॉस्पिटल और दिल्ली-एनसीआर में नोएडा, लाजपत नगर (दो सेंटर) व पंचशील पार्क के मेडिकल सेंटर और मोहाली, पंजाब का एक मेडिकल सेंटर शामिल है। मोहाली और बठिंडा के अस्पताल पंजाब सरकार के साथ पीपीपी (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) के तहत संचालित होते हैं।

इन अस्पतालों के अतिरिक्त, मैक्स हेल्थकेयर अपने ब्रांड मैक्स@होम और मैक्स लैब्स के तहत क्रमशः होमकेयर और पैथोलॉजी बिजनेस का संचालन भी करता है। मैक्स@होम के तहत घर पर ही हेल्थ एवं वेलनेस सर्विसेज प्रदान की जाती हैं, जबकि मैक्स लैब के तहत अपने नेटवर्क से बाहर के मरीजों को भी डायग्नोस्टिक्स की सुविधा प्रदान की जाती है।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com
नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।